राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा रोड्रिगेज ने पूरे किए 2500 रन | सम्पादकीय पढ़ने का परिवेश : ज्ञान, चिंतन और... | पीएम किसान की 22वीं किस्त मार्च में आ सकती है... 5

वर्ष 20 | अंक 38 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online ग्वालियर, सोमवार 23 फरवरी 2026 email - hindustanexpressbhopal@gmail.com मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम ने कहा- देश जानता है कि कांग्रेसी पहले से ही नंगे फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी

प्रधानमंत्री एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर बोले

आर.एन.एस

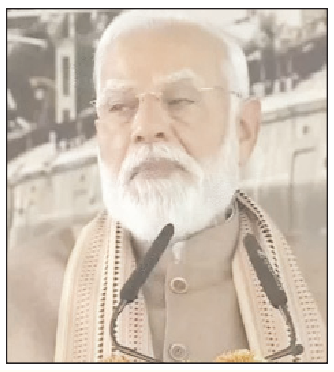

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई समिट में कपड़े उतारकर प्रदर्शन करने को लेकर कांग्रेस पर भड़क गए। मेरठ में रविवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई सम्मेलन हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? वैश्विक आयोजन को गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं- देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो। फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस के नेताओं ने जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से कितनी दिवालिया और दरिद्र हो गई है। मोदी ने कहा- देखिए दिल्ली में जो हुआ, क्या उसमें टीएमसी, डीएमके या बसपा के लोगों ने पाप किया... नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस के सरफिरे और बेलगाम नेता देश को तबाह करने पर तुले हैं। अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको लोगों के दिल जीतने होंगे।

मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई

इससे पहले, मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई। स्कूली बच्चों और डॉक्टरों के साथ सफर किया। उनसे बातचीत की। 12,930 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।रैपिड रेल से दिल्ली से मेरठ की 82.15 किमी दूरी सिर्फ 55 मिनट में पूरी होगी। ट्रेन मेरठ मोदीपुरम से शुरू होकर दिल्ली के सराय काले खां तक जाएगी। 13 स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पूरे सफर में दो स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जबकि बाकी का सफर एलिवेटेड होगा। मेट्रो बेगमपुल से मेरठ साउथ तक जाएगी।

इसमें 7 स्टेशन बनाए गए हैं। मेटो का किराया 20 से 60 रुपए, जबकि रैपिड रेल का 20 से 210 रुपए तक होगा।

टैरिफ में बदलाव से भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बैठक टली

इसमें भारत पर 18' टैरिफ लगना था

आर.एन.एस

वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर होने वाली बैठक टल गई है। यह जानकारी सरकारी सूत्रों के हवाले से दी।बैठक 23-26 फरवरी को वॉशिंगटन में होनी थी। दरअसल समझौते में भारत को 18% टैरिफ देना था, लेकिन शुक्रवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सभी ग्लोबल टैरिफ रद्द कर दिए थे।

जिसके बाद ट्रम्प ने शुक्रवार को ही दुनियाभर पर पहले 10% टैरिफ लगाया, फिर 24 घंटे के अंदर ही उसे बढ़ाकर 15% कर दिया।

अब ट्रम्प का 15% ग्लोबल टैरिफ लागू हो रहा है, जो डील वाले 18% से कम है। इसके कारण दोनों पक्षों ने तय किया कि इन बदलावों की समीक्षा के बाद बैठक की नई तारीख तय की जाएगी। बैठक के टलने से अब इस ट्रेड डील में देरी हो सकती है। इस ट्रेड डील के कारण भारत का टैरिफ घटा था

कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने 7 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के साथ ट्रेड डील की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारतीय कृषि उत्पाद अमेरिका में जीरो टैरिफ पर निर्यात किए जाएंगे, जबकि अमेरिका के कृषि उत्पादों को भारत में कोई टैरिफ छूट नहीं दी गई है।

इसके अलावा भारत ने अगले 5 साल में अमेरिका से 50 हजार करोड़ डॉलर (45 लाख 30 हजार करोड़ रुपए) के उत्पाद खरीदने पर सहमति जताई। इसके बाद अंतरिम व्यापार समझौते का फ्रेमवर्क जारी किया गया था।

उद्योग का दर्जा दिया जाएगा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में निवेश बढ़ेगा, प्रदेश को बनाएंगे अग्रणी राज्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश दलहन एवं तिलहन उत्पादन में भी देश का अग्रणी राज्य है। प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए सरकार पुरजोर प्रयास कर रही है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में निवेश करें, राज्य शासन द्वारा हर संभव मदद प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को उद्योग का दर्जा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में आयोजित ग्लोबल काबुली चना कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि आधारित उद्योग बढ़ाने सहित खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाएगा और इसके लिए शासन की ओर से पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि चना भारतीय भोजन का अभिन्न हिस्सा है और विशेष रूप से शाकाहारी समाज के लिए यह पोषण का बड़ा स्रोत है। दुनिया में दाल उत्पादन और उपभोग में भारत अग्रणी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के हित संरक्षण और कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं और वैश्विक स्तर पर भी किसानों का पक्ष मजबूती से रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 5 वर्ष का रोडमैप तैयार किया है। उद्योग स्थापना के लिए नियमों का सरलीकरण किया गया है। भूमि, बिजली, पानी और करों में रियायत दी जा रही है। श्रम आधारित उद्योगों के लिए प्रति श्रमिक 5 हजार रुपये प्रतिमाह तक सहायता का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में राज्य के बजट को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2003 के बाद प्रदेश में सिंचाई के रकबे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे कृषि उत्पादन क्षमता बढ़ी है और किसानों की आय में सुधार हो रहा है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों का सम्मान किया। समिट में देश-विदेश के प्रतिनिधि, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री रमेश मेंदोला तथा श्री गोलू शुक्ला, श्री गौरव रणदीवे, श्री सावन सोनकर, श्री सुमित मिश्रा, श्री जयपाल सिंह चावड़ा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री संजय अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नवाचार और तकनीक से अग्रणी कृषि राज्य बनाया जायेगा मध्यप्रदेश को : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

ड्रोन, एआई, स्मार्ट सिंचाई और डिजिटल मार्केटिंग को बढ़ावा

मुख्यमंत्री से युवा किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े युवा प्रतिनिधियों ने किया संवाद

प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 'किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ' कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा, कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीक के साथ आगे आएंगे तो मध्यप्रदेश न केवल खाद्यान्न उत्पादन में बल्कि कृषि आधारित उद्योगों, जैविक उत्पादों और एग्री-एक्सपोर्ट में भी देश में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर के बास्केटबाल कॉम्पलेक्स में एक निजी मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित 'किसान कल्याण की बात युवाओं के साथ' कार्यक्रम में रूबरू हुए। साथ ही युवाओं और विशेषज्ञ किसानों से संवाद किया। कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में युवाओं की भूमिका को सशक्त बनाना, किसान कल्याण की नीतियों पर संवाद स्थापित करना, आधुनिक खेती और तकनीक को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा, किसान, कृषि वैज्ञानिक एवं उद्यमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद कार्यक्रम में प्रश्नों के जवाब में कहा कि मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है और राज्य को देश का अग्रणी कृषि राज्य बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह वर्ष कृषि और किसानों को समर्पित कर किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में युवा किसान और कृषि क्षेत्र से जुड़े युवा प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर मुख्यमंत्री से सीधे संवाद भी किया। इस दौरान रोबोट द्वारा भी मुख्यमंत्री जी से कृषि विकास को लेकर प्रश्न किया गया। इसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से कहा कि यदि वे नई तकनीक, ड्रोन, जैविक खेती, फूड प्रोसेसिंग और कृषि आधारित उद्योगों से जुड़ेंगे, तो न केवल अपनी आय बढ़ा सकेंगे बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृषि में युवाओं की भागीदारी से उत्पादन, गुणवत्ता और निर्यात में वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों और युवाओं के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ लेकर युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई तकनीकों–जैसे ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कृषि प्रबंधन, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से कृषि को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। भावांतर योजना के तहत किसानों को समर्थन मूल्य के अंतर की राशि प्रदाय की जा रही है। सरकार द्वारा कृषि स्टार्टअप को प्रोत्साहन, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सब्सिडी योजनाएं तथा किसान उत्पादक संगठनों को सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिल सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फसल बीमा, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी, कृषि यंत्रीकरण, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और निर्यात को बढ़ावा देने जैसे कदम उठा रही है। प्रदेश ने गेहूं, सोयाबीन, चना और अन्य फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, नर्मदा परियोजनाओं के माध्यम से जल उपलब्धता बढ़ाने, माइक्रो इरिगेशन को प्रोत्साहन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा फसल विविधीकरण जैसी पहलों से किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में बिजली की सरप्लस उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। किसानों को 24 घंटे बिजली प्रदाय की जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा-आंध्र प्रदेश बनेगा इंडिया पोस्ट की पार्सल क्रांति का नेतृत्वकर्ता

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुंटूर जीडीएस सम्मेलन में इंडिया पोस्ट के विकास हेतु पार्सल-आधारित रोडमैप प्रस्तुत किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुंटूर/विजयवाड़ा(आंध्र प्रदेश)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुंटूर में आयोजित ग्रामीण डाक सेवक सम्मेलन में 9,000 से अधिक ग्रामीण डाक सेवकों की विशाल सभा को संबोधित किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश सर्किल को इंडिया पोस्ट की परिवर्तन यात्रा की अग्रिम शक्ति बताया। मंच पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की गरिमामयी उपस्थिति का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस अवसर को भावनात्मक बताया। उन्होंने कहा कि नायडू जी और सिंधिया परिवार का संबंध दशकों पुराना है। सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनकी दादी राजमाता विजयाराजे सिंधिया के साथ कार्य किया और बाद में उनके पिता माधवराव सिंधिया के साथ भी निकट सहयोग रहा। यह संबंध पारस्परिक सम्मान और जनसेवा की भावना पर आधारित रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने आंध्र प्रदेश के एक छोटे से नगर 'सिंधिया' का उल्लेख किया, जिसका नाम सिंधिया परिवार की विरासत से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि लगभग एक शताब्दी पूर्व उनके परदादा ने आंध्र तट पर स्वतंत्रता-पूर्व भारत के प्रारंभिक शिपिंग एवं शिपबिल्डिंग उद्यमों में से एक की स्थापना की थी, जिसके परिणामस्वरूप विशाखापट्टनम के निकट इस बस्ती का विकास हुआ। उन्होंने कहा, 'इस धरती से मेरा संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक, ऐतिहासिक और अत्यंत व्यक्तिगत है।'

यदि किसी को गांव की नब्ज का ज्ञान है, तो वह मेरा ग्रामीण डाक सेवक है: सिंधिया

सिंधिया ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि यदि कोई गांव की नब्ज, वहां के परिवारों, संघर्षों और आकांक्षाओं को जानता है, तो वह मेरा ग्रामीण डाक सेवक है। उन्होंने ग्रामीण डाक सेवकों को भारत माता के चमकते रत्न बताते हुए कहा कि वे जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की बर्फीली चोटियों से लेकर आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों तक, गर्मी, वर्षा, हिमपात और चक्रवात की परवाह किए बिना सेवा में जुटे रहते हैं। जैसे हृदय शरीर की अंतिम नस तक रक्त पहुंचाता है, वैसे ही ग्रामीण डाक सेवक कश्मीर से कन्याकुमारी और भरूच से अरुणाचल प्रदेश की सीमाओं तक सेवा और संचार की जीवनधारा पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में संबंध धन से नहीं, बल्कि विश्वास और आत्मीयता से बनते हैं। ग्रामीण भारत में ग्रामीण डाक सेवक परिवार के बाहर सामाजिक जुड़ाव की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। देश के 6.5 लाख से अधिक गांवों में जीडीएस शासन और जनसेवा के सबसे विश्वसनीय प्रतिनिधि हैं।

राष्ट्र की वित्तीय शक्ति के रूप में इंडिया पोस्ट : सिंधिया

इंडिया पोस्ट की वित्तीय समावेशन भूमिका पर प्रकाश डालते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देशभर में 38 करोड़ से अधिक डाकघर बचत बैंक खाते संचालित हैं, जिनमें लगभग 22 लाख करोड़ रुपये की राशि संचित है। उन्होंने कहा कि यह विशाल वित्तीय आधार नागरिकों द्वारा इंडिया पोस्ट और उसके जमीनी कार्यबल पर व्यक्त विश्वास का प्रतीक है।

पार्सल-आधारित परिवर्तन और प्रतिस्पर्धात्मक संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में **शेष पृष्ठ 5 पर..**

घाटी में सेना ने जैश के दो आतंकी ढेर किए

सुरक्षाबलों ने आतंकियों के ठिकाने को ब्लास्ट किया

आर.एन.एस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चतरू इलाके में रविवार सुबह से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। PTI के मुताबिक आधिकारियों ने 2 आतंकियों के ढेर होने की पुष्टि की है।

सुरक्षाबलों ने उस ठिकाने को ही ब्लास्ट कर दिया, जहां आतंकी छिपे हुए थे।

एनकाउंटर अभी भी जारी है।

अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के 2 से 3 आतंकियों के यहां पर छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। तभी आतंकियों ने फायरिंग कर दी।

इससे पहले 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

ऑपरेशन 'किया' के तहत सेना की कार्रवाई

व्हाइट नाइट कोर ने 4 फरवरी को सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि ष्ट्ढ्ढस्न डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और ष्टक्रक्क का यह जॉइंट ऑपरेशन चलाया था था। इलाके की घेराबंदी की गई। इसे 'ऑपरेशन किया' नाम दिया गया।

मुठभेड़ 3 फरवरी की शाम 4 बजे शुरू हुई थी। आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। करीब एक घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी को गोली लगी, लेकिन वह अपने साथी के साथ गुफा के अंदर जाकर छिप गया।

तमिलनाडु-बंगाल से एक बांग्लादेशी समेत 8 संदिग्ध गिरफ्तार

आर.एन.एस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 6 तमिलनाडु और 2 पश्चिम बंगाल से अरेस्ट किए गए। पुलिस के मुताबिक यह सभी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे।संदिग्धों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। इनके पास से 12 से ज्यादा मोबाइल फोन और 16 से ज्यादा सिम कार्ड बरामद हुए हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर से जिन 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनमें मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल हैं।

इन लोगों ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी संगठनों के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट की थीं। 3 आरोपियों को उथुकुली, 3 को पल्लादम और एक आरोपी तिरुमुरुगनपोंडी से पकड़ा गया। ये सभी फर्जी आधार कार्ड के जरिए पहचान छिपाकर तिरुप्पुर में गारमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे थे।

आतंकियों की मदद के लिए रेकी की

दिल्ली पुलिस के मुताबिक तमिलनाडु से गिरफ्तार 6 संदिग्धों पर आतंकियों की मदद के लिए शहरों की रेकी का आरोपी है। इसके अलावा दिल्ली में 'फ्री कश्मीर' के पोस्टर लगाने में भी शामिल होने का शक है। सभी को ट्रेन से दिल्ली लाया जा रहा है। एक दिन पहले ही केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने देश के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों पर टेरर अटैक को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसके बाद दिल्ली में लाल किला, चांदनी चौक में सुरक्षा बढ़ाई गई है।

अब धर्म और सत्ता के बीच सीधा टकराव

क्या हम अदावत के उस दौर में पहुँच गए हैं...जहाँ पहले सियासत में दुश्मनी थी और अब धर्म भी उसी आग में झोंका जा रहा है? प्रयागराज के महाकुम्भ और माघ मेले से शुरू हुआ विवाद...अब (POCSO) कोर्ट के आदेश तक पहुँच गया है।एडीजे कोर्ट ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर एफआईआर का निर्देश दिया सहै सवाल उठता है –क्या यह महज़ कानूनी कार्रवाई है? या फिर सियासी टकराव का विस्तार?

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर गिरफ्तारी की तलवार लटका दी गई है किंतु वे पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं. इधर उनके खिलाफ पोस्को के इस्तेमाल का बिस्मिल्लाह हुआ उधर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने एक बोर्ड जारी कर दिया.इस बोर्ड में एक तरफ 'गाय, सत्य, शंकराचार्य के साथ हूं' लिखा गया है, जबकि दूसरी ओर 'आय, सत्ता, मुख्यमंत्री के साथ हूं.' लिखा है. इस बोर्ड के जरिए गो-रक्षा को लेकर चल रही वैचारिक लड़ाई को प्रतीकात्मक रूप में दिखाने की कोशिश की गई है.

उप्र की सरकार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं बल्कि कालनेमि मानती है. खुद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को कालनेमि कहा था, अलबत्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुकेश अंबानी के यहाँ एक समारोह में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से आशीर्वाद ले चुके हैं.

मजे की बात ये है कि मुख योगी आदित्य नाथ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं मानते तो शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद भी मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को योगी नहीं मानते. दोनों के बीच की अदावत अब धर्म और सत्ता के बीच का टकराव बन चुकी है. आपको याद दिला दूं कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेवरानंद के शंकराचार्य होने को भी सुप्रीमकोर्ट में चुनौती दी गई है.

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद शुरू से ही आर एस एस और भाजपा की आंख की किरकिरी रहे हैं. वे भाजपा, प्रधानमंत्री और उप्र के मुख्यमंत्री के फैसलों और आचरण को लेकर हमेशा आक्रामक रहे हैं. अयोध्या में राममंदिर के शिलान्यास, उदघाटन और प्राण प्रतिष्ठा समारोहों को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मीन-मेख निकाले, विरोध किया. प्रयागराज के महाकुम्भ में भगदड में 30 लोगों की मौत के लिए उप्र के मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया था. अभी माघ मेले में पालकी से स्नान विवाद के बाद उप्र सरकार के इशा पर शंकराचार्य के साथ धक्का मुक्की हुई. विरोध में शंकराचार्य ने दस दिन अनशन किया था और बिना स्नान के आ गये थे.उन्होंने प्रयागराज से लौटते ही योगी सरकार के खिलाफ आंदोलन का ऐलान कर दिया था.

अब अपने खिलाफ पोस्को के तहत एफ आई आर दर्ज होने के अदालती आदेश के फौरन बाद शंकराचार्य की ओर से जारी किए गए बोर्ड के शीर्षक में लिखा है- 'गो रक्षा के इस धर्मयुद्ध में मैं तो...' इसे दो हिस्सों में बांटा गया है. एक तरफ 'गाय, सत्य, शंकराचार्य के साथ हूं' लिखा है, जबकि दूसरी ओर 'आय, सत्ता, मुख्यमंत्री के साथ हूं' लिखा गया है. खास बात यह है कि इस दूसरे हिस्से में सबसे पहले रवींद्र पुरी महाराज की तस्वीर लगाई गई है. दरअसल, अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज ने हाल ही में संभल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान शंकराचार्य पर तीखी टिप्पणी की थी. उन्होंने कहा था कि अविमुक्तेश्वरानंद 'एजेंडा' चला रहे हैं और किसी भी बड़े अखाड़े या संत परिषद का समर्थन उन्हें प्राप्त नहीं है. इतना ही नहीं, उन्होंने खुद को सरकार, खासकर योगी आदित्यनाथ के साथ बताया था.

इस मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हमने बिल्कुल चिह्नित कर लिया, उनके वक्तव्य को जान लिया. जान कर उनको खड़ा कर दिया कि आप मुख्यमंत्री के साथ हैं. उनका जो कथन है, उसके अनुसार उनका फोटो हमने उस तरफ रख दिया. तो अब स्पष्टता के साथ कम से कम पूरे सनातन धर्मी जनता को ये पता चल गया कि गौ माता की रक्षा के लिए आंदोलन चल रहा था, जब ये युद्ध लड़ा जा रहा था, उस समय यह सत्ता के साथ थे.

यह पूरा विवाद शिखा, बटुकों के सम्मान और गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग से जुड़ा हुआ है. स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 11 मार्च को लखनऊ कूच करने का ऐलान कर चुके हैं, जिसे लेकर सियासी और धार्मिक हलकों में हलचल बनी हुई है। शिखा विवाद से शुरू हुआ संत समाज का टकराव अब खुलकर वैचारिक संघर्ष में बदलता नजर आ रहा है. ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 'धर्म युद्ध बोर्ड' की घोषणा की है. यानी यह लड़ाई अब सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं दिख रही.इस बोर्ड में प्रतीकात्मक रूप से संत समाज और सत्ता के बीच विभाजन रेखा खींची गई है-

अब देखना ये है कि धर्म और सत्ता के बीच टकराव में क्या मोड आता है? क्या शंकराचार्य को भाजपा सरकार गिरफ्तार कराती है या फिर यहाँ भी डोनाल्ड ट्रंप को सीज फायर के लिए दोनों के बीच कूदना पडेगा, क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री तो मौन हैं.

-राकेश अचल

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा जिला सागर की कार्यकारिणी का गठन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

सागर। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारयण चौकसे एवं राष्ट्रीय महासचिव एम.एल. राय की स्वीकृति से राष्ट्रीय सलाहकार शंकरलाल राय की सलाह से प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौकसे, प्रदेश महासचिव कार्यालय वीरेन्द्र राय (पप्पू), प्रदेश महासचिव संगठन ओ.पी. चौकसे, प्रदेश महासचिव प्रचार हरीराम राय के द्वारा जिला सागर कार्यकारिणी का मनोनयन किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष के रूप में अखिलेश राय सागर, जिला महासचिव संगठन जितेंद्र कुमार राय, जिला महासचिव कार्यालय, रविद्र कुमार राय जिला महासचिव, प्रचार मोहित राय, जिला कोषाध्यक्ष मनीष राय का मनोनयन किया गया है तथा सभी

श्री अखिलेश राय (जिला अध्यक्ष)
श्री जितेद्र कुमार राय, (जिला महासचिव संगठन)
श्री रविद्र कुमार राय (जिला महासचिव कार्यालय)
श्री मोहित राय, (जिला महासचिव कार्यालय)
श्री मनीष राय (जिला कोषाध्यक्ष)

पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारिया सौंपी गई है। मध्यप्रदेश इकाई के जिला कार्यकारिणी में भोपाल, विदिशा नर्मदापुरम बैतुल सिहोर, राजगढ., शाजापुर, गुना, आशोकनगर, भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, छिंदवाड़ा, जिले की कार्यकारिणी घोषित हो चुकी है। शेष जिला की कार्यकारिणी हेतु पाँच-पाँच नाम आमंत्रित किये जाते हैं। अन्य कार्यकारिणी का मनोनयन जिला के अध्यक्ष एवं महासचिव द्वारा किया जाता है। इसके अंतर्गत प्रदेश के संरक्षक, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव महिला अध्यक्ष, युवा अध्यक्ष आदि का मनोनयन किया जाता है। सागर जिले के नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

लखनऊ में 'नेट जीरो सरोजिनी नगर' अभियान का आगाज़, अभिनेता संजय दत्त ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यज-

लखनऊ/बंगला बाजार। 22 फरवरी को सरोजिनी नगर क्षेत्र के बंगला बाजार में आयोजित भव्य कार्यक्रम में 'नेट जीरो सरोजिनी नगर' अभियान का शुभारंभ अभिनेता संजय दत्त ने किया। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में उनका भव्य स्वागत पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और पटका पहनाकर किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और गणमान्य लोगों की उपस्थिति से उत्साहपूर्ण माहौल रहा।

संजय दत्त ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। उन्होंने लोगों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने रोड शो में युवाओं से सीधा संवाद किया तथा पर्यावरण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 'पर्यावरण वीरों' को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम संयोजक विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना समाज की साझा जिम्मेदारी है और जनभागीदारी से ही ऐसे अभियानों को सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि 'नेट जीरो सरोजिनी नगर' अभियान क्षेत्र को स्वच्छ, हरित और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दोसर वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने कहा कि समाज संगठन केवल सामाजिक एकता ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे जनहित कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों अतिथियों की उपस्थिति को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। कार्यक्रम में विजय शंकर गुप्ता, सुनील गुप्ता कंतु, संजय गुप्ता, कुंज बिहारी गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, हरीश गुप्ता बबलू, मनीष गुप्ता, प्रसून गुप्ता, ब्रह्मादीन, जगदीश गुप्ता काकड़ाबादी, अनिल कुमार गुप्ता, विजय कुमार, गिरीश गुप्ता काकड़ाबादी सहित अनेक पदाधिकारी व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश को विकसित और समृद्ध बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बजटः राकेश शुक्ला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं महिलाओं एक किसानों गरीब मजदूरों के लिए सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी बजट महत्वपूर्ण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा विकसित मध्य प्रदेश के लिए वर्ष 2026 एवं 27 के वित्तीय बजट को लेकर विधानसभा के सदन पटेल पर प्रस्तुत किया। यह बजट युवाओं किसानों व्यापारियों गरीब मजदूर के लिए दूरदर्शी ईश्वर व्यापी बजट है। मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में मध्य प्रदेश बजट पर अपनी प्रक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मार्गदर्शन में वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत 4,38,317 करोड़ रुपये का यह बजट ऐतिहासिक है। पत्रकार वार्ताओं में भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश सिंह कुशवाह एडवोकेट पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजे विशेष रूप से मौजूद थे । मंत्री शुक्ला ने कहा कि अब तक का सबसे बड़ा बजट है,जो प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। मंत्री शुक्ला ने कहा कि पिछ्ले दो वर्ष की तुलना में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,41,000 से बढ़कर 1,69,000 हो गई है, यह 19.25 प्रतिशत की वृद्धि सरकार की प्रभावी आर्थिक नीतियों का परिणाम है।यह बजट गरीब,युवा,किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष फोकस करता है,जिससे समाज के हर वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।बजट में गौशालाओं के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं तथा 1 लाख सोलर पंप किसानों को देने की तैयारी की गई है प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 1लाख हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य रखा गया है और फसल बीमा के लिए 1,300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में 'लाड़ली बहना योजना' के लिए 23,000 हजार करोड़ से अधिक की राशि निर्धारित की गई है। साथ ही कामकाजी महिलाओं के लिए 5,700 महिला हॉस्टल के निर्माण तथा उनकी सुरक्षा और पेंशन पर विशेष जोर दिया गया है।युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 25,000 करोड़ के ऋण प्रावधान किए गए हैं तथा खेलों के विकास के लिए 815 करोड़ की राशि निर्धारित की गई है।ग्रामीण क्षेत्रों के विकास हेतु मजरे-टोले की सड़कों के लिए 21,000 करोड़ से अधिक की राशि दी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में 294 नए विद्यालय स्थापित करने की तैयारी है, जिससे प्रदेश में शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा।वीबीजी रामजी योजना के लिए ?10,000 करोड़ से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। अब गांवों को खुद निर्णय का अधिकार केन्द्र और राज्य सरकार दे रही है।पहली बार बच्चों को ट्रेटा दूध दिया जाएगा। उसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है।स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 23,000 करोड़ का प्रावधान कर चिकित्सा सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इसके साथ ही 472 नई ई-बस सेवाओं की शुरुआत कर शहरी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। मंत्री शुक्ला ने कहा कि 1,00,000 करोड़ से अधिक का पूंजीगत व्यय प्रदेश में अधोसंरचना और विकास कार्यों को नई गति देगा।यह बजट वर्ष 2047 तक विकसित प्रदेश के विजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और यह हर वर्ग को सशक्त बनाने वाला संतुलित,समावेशी एवं विकासोन्मुख बजट है तक का सबसे बड़ा बजट समावेशी विकास और समृद्ध मध्यप्रदेश की दिशा में बढ़ता देवतुल्य मध्यप्रदेश की जनता के विकास का बजट,आज विधानसभा में प्रस्तुत 'बजट 2026-27' समृद्ध, संपन्न, सुखद और सांस्कृतिक मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने वाला है. विधायक कुशवाह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं उपमुख्यमंत्री वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने पत्रकार वार्ता में कहा किमंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश दवेड़ा ने दिनांक 18 फरवरी 2026 को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए ?4.38 लाख करोड़ का बजट प्रस्तुत किया, जो वित्तीय वर्ष 2025-2026 के 4.21 लाख करोड़ की तुलना में लगभग 4.0% अधिक है। वर्ष 2026-2027 के लिए राजकोषीय घाटा 4% रहने का अनुमान है।मध्य प्रदेश बजट 2026-27 का बजट 'GYAN-II (ज्ञानी) के सिद्धांत पर आधारित है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति (GYAN) के साथ-साथ औद्योगिकीकरण एवं अधोसंरचना (II) को भी जोड़ा गया है। इस प्रकार, रोज़गार सृजन. उत्पादन क्षमता में वृद्धि और दीर्घकालिक विकास अब बजट की केंद्रीय धुरी होंगे। मंत्री शुक्ला ने कहा कि गरीब कल्याण अंत्योदय की अवधारणा को साकार करना (सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाना) युवा शक्ति -युवाओं में कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा/प्रशिक्षण अन्नदाता किसानों की आय में वृद्धि- नारी शक्ति महिलाओं का सशक्तिकरण इंफ्रास्ट्रक्चर (अधोसंरचना) आधारभूत सुविधाओं का विकास (सड़क, बिजली, पानी, डिजिटल नेटवर्क आदि)इंडस्ट्री (उद्योग) देश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने हेतु सुविधाएँ उपलब्ध कराना कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण मध्य प्रदेश विद्युत मंडल द्वारा 5 एच.पी. तक के कृषि पंप/प्रेशर तथा एक घरेलू कनेक्शन को निःशुल्क विद्युत उपलब्ध कराने हेतु प्रतिपूर्ति के अंतर्गत 5,276 करोड़ का प्रावधान किया गया है।दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन (60:40 प्रतिशत शेयरिंग पैटर्न) के अंतर्गत 335 करोड़ का प्रावधान किया गया है।समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस भुगतान हेतु 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है।सहकारी बैंक के माध्यम से कृषकों को आपातकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के अंतर्गत 720 करोड़ का प्रावधान प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के अंतर्गत 3,000 करोड़ की लागत से 1 लाख सोलर सिंचाई पंप किसानों को उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य।पशुपालन गतिविधियों के लिए 2,364 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। इसमें 'गौ-संवर्धन एवं पशुओं का संवर्धन योजना के लिए 620 करोड़ 50 लाख तथा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के लिए 250 करोड़ का प्रावधान सम्मिलित है। मंत्री राकेश शुक्ला ने प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ वर्ग के लिए 1,691 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, दिव्यांगों को आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना, माता-पिता भरण पोषण योजना, अटल वयो-अभ्युदय योजना आदि में आवश्यक धनराशि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 2,857 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।शासन द्वारा आबादी भूमि पर ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत 46 लाख 63 हजार परिवारों को 50,000 करोड़ मूल्य की आबादी भूमि पर मालिकाना हक दिया जा चुका है। प्रदेश सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि इस भूमि की रजिस्ट्री संबंधित परिवार के पक्ष में कराई जाएगी। इस हेतु स्टाम्प ड्यूटी एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क का संपूर्ण व्यय राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत 3,800 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।नारी कल्याण लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 के अंतर्गत अब तक 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। इसके साथ ही योजना में 14 लाख 12 हजार बालिकाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई है। इस योजना के लिए ?1,801 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।नवीन प्रस्तावित यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के अंतर्गत कक्षा 8 तक के प्रत्येक विद्यार्थी को अतिरिक्त पोषण प्रदान करने के उद्देश्य से टेट्रा पैक में दुग्ध प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में इस योजना के अंतर्गत 80 लाख विद्यार्थियों को दुग्ध पैकेट वितरित किए जाने का लक्ष्य है। आगामी पाँच वर्षों हेतु इस योजना का आकार 6,600 करोड़ है, जिसमें से इस बजट में 700 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 के अंतर्गत 23,883 करोड़ का प्रावधान।कामकाजी महिलाओं के लिए आवासीय सुविधा हेतु जिला उज्जैन, धार, रायसेन,भिण्ड, सिंगरौली,देवास, नर्मदापुरम एवं झाबुआ में 'सखी-निवास' का निर्माणाधीन कार्य प्रचलित है। संधारण सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए वर्ष 2026-27 में 14,742 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।प्रदेश में सड़क नेटवर्क (Road Network) मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। 12,690 करोड़ सड़क मरम्मत, ग्रामीण-शहरी सड़क नेटवर्क विस्तार और कनेक्टिविटी सुधार के लिए आवंटित । 21,630 करोड़ की मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना को मंजूरी दी गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा।नल कूपों के अनुरक्षण के लिए 104 करोड़, ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के लिए 165 करोड़, पेयजल योजनाओं का जल निगम द्वारा क्रियान्वयन योजना के लिए 53 करोड़, सिंचाई एवं पेयजल योजना के सौर ऊर्जीकरण के लिए 156 करोड़ तथा जल जीवन मिशन के लिए 4,454 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।सूर्य मित्र कृषक फीडर योजना के अंतर्गत लगभग 4,000 मेगावाट की सोलर परियोजनाएँ चिन्हित की गई हैं, जिनमें किसानों एवं स्थानीय उद्यमियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की गई है। समस्त शासकीय भवनों पर विकासक के माध्यम से रूफटॉप सौर परियोजनाएँ प्रचलित हैं। राज्य में निरंतर स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने हेतु 24 घंटे फ्लैट-ब्लॉक नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति परियोजना प्रस्तावित है, जो विश्व की अपनी तरह की पहली परियोजना होगी।पूंजीगत कार्यों में अधिक निवेश के लिए विभिन्न वित्तीय उपकरण, जैसे इन्विट (InvIT), रीट (REIT) तथा वेंचर कैपिटल फंड (VCF) आदि का उपयोग किया जाएगा। इस हेतु प्रदेश का पहला सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड शीघ्र ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होगा।प्रदेश में निवेश तथा औद्योगीकरण प्रदेश को अंतरिक्ष विज्ञान के नवीन क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति 2026' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा।देश को टेलीकॉम क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (TMZ) की स्थापना की दिशा में कार्यवाही प्रचलित है।एक जिला, एक उत्पाद' के अंतर्गत ग्वालियर के सैंड स्टोन एवं छतरपुर के लकड़ी के फर्नीचर को जी.आई.टैग प्राप्त हुआ है।

विद्यार्थियों को कराया ओरछा का भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। माधव महाविद्यालय ग्वालियर के भूगोल विभाग की कक्षा बी. ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को प्रकृति की सौंदर्यता को समेटे और सहेजे हुए राम राजा की पावन धरती हरियाली की चादर ओढ़े, बुंदेला राजा रूद्र प्रताप के द्वारा बसाया गया, मुगल और राजपूत वास्तुकला का मिश्रण, मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में स्थित ओरछा का एक दिवसीय भौगोलिक शैक्षणिक भ्रमण 21 फरवरी को कराया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने राम राजा मंदिर, हरदौल मंदिर, राजा महल, हाथी खाना, वेतबा नदी के किनारे बनी छतरीयाँ, जहाँगीर महल, ओरछा किला के ऊपर से ओरछा शहर का रोमांचिक एवं मनमोहक दृश्य देखा, इसके बाद बुंदेखण्ड की जीवन

रेखा कहलाने वाली बेतवा नदी के प्रवाह एवं उसके द्वारा किये जाने वाला अपरदन, ओरछा के इतिहास, संस्कृति और धार्मिक महत्व को प्रत्यक्ष से अनुभव किया। भ्रमण दल में अमित बघेल, हिमांशु प्रजापति, नितिन राठौर, अरविंद करन, समीर खाँन, शिवा पारधी, सोमवती सिंह, मुस्कान मोरे, मेनका मोरे, पूर्व छात्रा रजनी एवं दीप्ति कुशवाह एवं दिव्या शामिल थी। भ्रमण दल का नेतृत्व भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रेम सिंह एवं समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश करहेरिया जी ने किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को भिण्ड जिले के 1480 बूथ केंद्रों पर सुना गया

कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला भाजपा जिला अध्यक्ष पार्टी जिला कार्यालय बूथ क्रमांक 167 पर मन की बात में लाइव मोदी जी के साथ प्रसारण में शामिल हुए

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित संगठनत्मक कार्यक्रम के निमित्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का आयोजिन भिण्ड जिले के 29 मंडलों के 1480 बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया सभी कार्यकर्ता अपने-अपने स्थान पर बड़ी स्क्रीन लगाकर प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मन की बात के विचारों को सुनवाया गया ताकि उनके हम सबके लिए प्रेरणादायक विचार सबके मन में जागृत हो सके। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पीडब्ल्यूडी कॉलोनी वार्ड क्रमांक 37 बूथ क्रमांक 138 पर मध्य प्रदेश सरकार के मध्य प्रदेश राकेश शुक्ला एवं पार्टी जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव प्रसारण में पहुंचकर मन की बात को सुनी । एवं क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने अपने निवास स्थान वार्ड क्रमांक 25 चतुर्वेदी नगर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में मोबाइल पर उनके सीधे प्रसारण को सुना। जिला जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष एवं प्रबुद्ध जनों युवाओं महिलाओं और किसान भाइयों तथा लाभार्थी हितग्राहियों एवं सर्व समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के अनुकरणीय विचार ही मन की बात कार्यक्रम के तहत सुने और विकसित एवं समृद्ध भारत के भाव का संकल्प लेकर सुना गया भाजपा के अनुशासित संगठन और प्रकोष्ठ के समस्त पदाधिकारी अपने-अपने स्थान पर स्क्रीन लगाकर मोदी जी के लाइव प्रसारण के माध्यम से जुड़कर ज्यादा ज्यादातर लोगों को इस कार्यक्रम अपनी से भक्त की उनके भाव से जागृत कारण। पार्टी समस्त बूथ अध्यक्ष,कार्यकारणी के पदाधिकारी,जिला पदाधिकारी,समस्त बूथ,संयोजक, सहसंयोजक,शक्ति केंद्र प्रभारी,अध्यक्ष, बूथ समिति,जिला वरिष्ठ,ज्येष्ठ, श्रेष्ठ, देवतुल्य, पंच, सरपंच,जनपद सदस्य, पार्षद, युवा कार्यकर्ता मन की बात को अपने-अपने बूथ पर सुने और कार्यक्रम को सफल बनाएं। सभी कार्यक्रम के फोटो को संगठन ऐप पर अपलोड करें एवं ग्रुप में भेजे। पार्टी जिला कार्यालय पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में,पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया अवधेश सिंह कुशवाह,एडवोकेट राजेंद्र शर्मा राजे, जिला उपाध्यक्षों में उपेंद्र राजौरिया अनिल कटारे उपेंद्र शर्मा,सज्जन सिंह यादव जिला महामंत्री मनोज अनंत,जिला मंत्री डॉ तरुण शर्मा जिला मंत्री श्रीमती पिंकी शर्मा जिला मंत्री बजरंग सिंह भदौरिया, जिला कार्यालय सह मंत्री रोहित शाक्य सोशल मीडिया से प्रभारी शेखर खटीक महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा जैन जिला महामंत्री श्रीमती आरती पाठक मनोज जैन पार्षद सौरभ जैन सुरेंद्र सोलंकी अर्पित मुदगल सुरेंद्र भारद्वाज डॉक्टर तोषक मिश्रा, राजीव उपाध्याय अभिषेक मिश्रा आदि लोग काफी संख्या में शामिल थे।

ग्वालियर से उठी सवर्ण समाज की आवाज दिल्ली में गूंजेगी : स्वामी आनंद स्वरूप

ग्वालियर। सवर्ण समाज के एस4 संगठन ने रविवार को सामाजिक गोष्ठी का आयोजन इंद्रप्रस्थ गार्डन में किया। इस गोश्ठी में समाज के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। यह आयोजन देशभर में यूजीसी कानून को लेकर चल रहे विरोध के बीच हुआ।

गोश्ठी में शांभवी पीठ के पीठाधीश्वर आनंद स्वरूप महाराज ने सवर्ण समाज से एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास करने का आह्वान किया। महाराज ने आरोप लगाया कि कांग्रेस, भाजपा, सपा और बसपा जैसी प्रमुख राजनीतिक पार्टियां सामान्य वर्ग के हितों की अनदेखी कर रही हैं। आनंद स्वरूप महाराज ने कहा कि ऐसे में समाज को एक अलग राजनीतिक विकल्प तैयार करने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि

जो जनप्रतिनिधि सामान्य वर्ग से आते हैं लेकिन समाज के मुद्दों पर आवाज नहीं उठाते, उन्हें भी जवाबदेह बनाया जाएगा। उन्होंने यूजीसी कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की। महाराज ने चेतावनी दी कि यदि यह कानून वापस नहीं लिया गया तो इसके गंभीर राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे।

आनंद स्वरूप महाराज ने उपस्थित लोगों से 8 मार्च को दिल्ली में प्रस्तावित यूजीसी विरोधी आंदोलन में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने चंबल की धरती को आंदोलन की भूमि बताते हुए कहा कि यहां से उठी आवाज अपने मुकाम तक अवष्य पहुंचती है। कार्यक्रम में करणी सेना, क्षत्रिय महासभा, कास्ट महासभा और रहस्य महासभा जैसे विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। वक्ताओं ने समाज की एकजुटता पर जोर देते हुए आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने की बात कही। गोश्ठी के दौरान षांतिपूर्ण ढंग से चर्चा हुई और आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इसमे प्रमुख रूप से अखिलेश पाण्डे, अंबिका प्रसाद पचौरी, धर्मेन्द्र भारद्वाज, सुनील पटेरिया, एडवोकेट आशुतोष सहित बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग मौजूद थे।

यूथ कांग्रेस नेता को ले गई दिल्ली पुलिस

– एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान विरोध प्रदर्शन में हुआ था शामिल

ग्वालियर। दिल्ली पुलिस ने रविवार को ग्वालियर से यूथ कांग्रेस के एक नेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस यूथ कांग्रेस नेता को गिरफ्तार कर दिल्ली ले गई है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार नेता दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल था। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि इस तरह के प्रदर्शन से देश की छवि खराब करने का प्रयास किया गया है।

दरअसल, दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट कार्यक्रम के दौरान यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। कार्यक्रम के फुटेज के आधार पर पुलिस प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं

की पहचान कर कार्रवाई कर रही है। पुलिस को शक है कि ग्वालियर के यूनिवर्सिटी थाना क्षेत्र में रहने वाले यूथ कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव जितेंद्र यादव भी इस प्रदर्शन में शामिल थे। इसी आधार पर दिल्ली से आई पुलिस टीम ने उन्हें हिरासत में लिया और दिल्ली रवाना हो गई। वहीं, स्थानीय पुलिस के अधिकारी फिलहाल कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं। यूथ कांग्रेस नेता के पिता केशव यादव ने बताया कि शनिवार-रविवार रात में करीब 1.30 बजे हम सभी घर में भीतर सो रहे थे। जितेंद्र भी अपने कमरे में सो रहा था। तभी अचानक गेट पर किसी की आहट हुई। उसके बाद यह लोग जितेंद्र को अपने साथ ले आए। इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ने बताया कि कोई आधिकारिक जानकारी अभी नहीं दी गई है। युवक कांग्रेस के एक नेता जितेंद्र यादव के घर पर जाकर पुलिस ने रेड डाली, बल्कि मैं तो यह कहूंगा कि अनाधिकृत रूप से उन्होंने घर में प्रवेश किया। पूरे घर परिवार के लोगों को प्रताड़ित किया। उनके मोबाइल तक जब्त कर लिये। लगता ही नहीं कोई कानूनी व्यवस्था है। पूर्ण अराजकता का माहौल है।

भैंस खरीदने आये किसान की जेब कटी, 50 हजार पार

ग्वालियर। मुरैना से भैंस खरीदने आये किसान से पता पूछने के बाद लिफ्ट देने का झांसा देकर दो बदमाशों ने एक व्यक्ति की जेब काटकर उसमें रखे 50 हजार रुपए पार कर लिए। वारदात के बाद दोनों बदमाश मेला ग्राउंड की तरफभाग निकले। घटना का पता चला जब पीड़ित ने रुपए निकालने के लिए जेब में हाथ डाला। जेब से रुपए गायब होने का पता चलते ही गोला का मंदिर थाने पहुंचे और घटना से पुलिस को अवगत कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खेमराज शर्मा 57 वर्ष निवासी ग्राम अरदौनी रिठोराकला जिला मुरैना किसान हैं और वह 14 फरवरी को भैंस खरीदने आए थे। बस से उतरकर वह मेला ग्राउंड के पीछे जाने के लिए ई-रिक्शा का इंतजार कर रहे थे। तभी बाइक सवार दो युवक उनके पास आए और सात नम्बर चौराहे का पता पूछा। खेमराज शर्मा ने दोनों को पता बताया। अकेले खड़ा देखकर बाइक सवार युवकों ने उनसे कहा कि आप कहीं जा रहे हैं तो हम छोड़ देंगे। खेमराज दोनों के झांसे में आ गए और उनकी बाइक पर बैठ गए। बाइक सवार बदमाशों ने खेमराज शर्मा को बीच रास्ते में कृष्णा नगर की पानी की टंकी के पास उतारा और वहां से मेला ग्राउंड की तरफ रवाना हो गए। इसी दौरान खेमराज को कुछ शक हुआ तो उन्होंने अपनी जेब में हाथ डाला। जेब में हाथ डालते ही खेमराज के होश उड़ गए, क्योंकि 50 हजार रुपए जेब से गायब थे। जेब से रुपए गायब होने के बाद खेमराज ने अपने बेटे को बताई और गोला का मंदिर थाने पहुंच गए। वहां शिकायती आवेदन दिया और पुलिस से गुहार लगाई कि बदमाशों को पकड़कर उनके रुपए वापस दिलवाएं। जेब से 50 हजार रुपए निकाल लेने की बात पता चलते ही पुलिस व खेमराज शर्मा ने घटना स्थल व आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज देखे। सीसीटीवी में बदमाश दो स्थानों पर बदमाश नजर आए। इसमें बाइक सवार बदमाशों के साथ पीड़ित बुजुर्ग भी बैठे हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस संदेही बदमाशों की तलाश कर रही है।

पानी का पाइप निकालने पर विवाद, युवक को पीटा

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के ग्राम जमाहर में पानी का पाइप निकालने को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि एक परिवार के चार लोगों ने गांव के युवक को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया। बहादुर कुशवाह पुत्र लाल सिंह कुशवाह निवासी ग्राम जमाहर पुरानी छावनी का गांव में रहने वाले छबिराम पाल, सुरेन्द्र पाल, शिवराज पाल तथा राजू पाल से झगड़ा हो गया। झगड़ा इस बात पर हुआ कि बहादुर कुशवाह पानी का पाइप निकालना चाह रहा था जबकि पाल परिवार के लोग इस पर आपत्ति जता रहे थे। मामूली मुंहवाद कुछ देर बाद झगड़े में तब्दील हो गया। झगड़ा होते ही छबिराम पाल, सुरेन्द्र पाल, शिवराज पाल तथा राजू पाल ने बहादुर कुशवाह को पीटना शुरु कर दिया। गांव में मार-पीट होते ही हंगामा मच गया और अन्य गांव वाले वहां एकत्रित हो गए जिन्होंने जैसे-तैसे मामला शांत कराया। मारपीट से घायल बहादुर कुशवाह दोपहर में पुरानी छावनी थाने पहुंचा और पूरी घटना से पुलिस को अवगत कराया।

एलिवेटेड रोड के लिए फूलबाग-गुरुद्वारा मार्ग एक माह के लिये बंद

– डायवर्टेड रूटों पर पहले दिन ही लगा 2 किमी लंबा जाम

ग्वालियर। एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के तहत फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक का मार्ग रविवार से एक महीने तक के लिए बंद कर दिया गया है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। मार्ग बंद होने के पहले ही दिन डायवर्ट किए गए रास्तों पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। शहर के सभी यातायात थानों के प्रभारियों को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

यह मार्ग एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के तहत बंद किया गया है। फूलबाग चौराहे से गुरुद्वारा तक बने पिलर्स पर गाटर रखने का काम शुरू होना है। निर्माण एजेंसी की मांग पर स्थानीय प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने चर्चा के बाद यह रूट एक

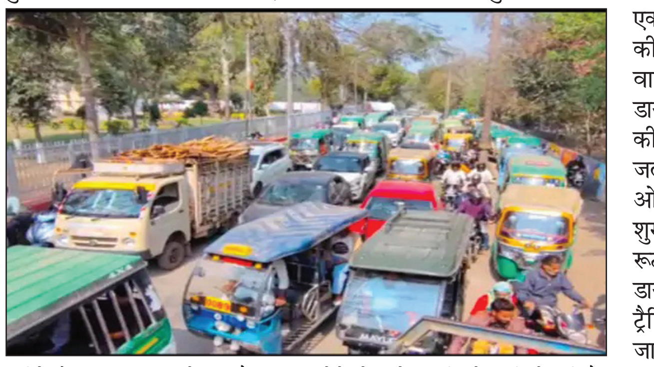

महीने के लिए बंद करने का फैसला किया। पहले दिन ही डायवर्टेड रूट्स पर लगभग 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे ट्रैफिक डीएसपी सहित सिटी क्षेत्र के तीन ट्रैफिक थाना प्रभारियों को व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा। एक ऑटो चालक के अनुसार रोड बंद होने से उन्हें काफी परेशानी हो रही है। जाम में दो-तीन घंटे फंसे रहने के कारण उनकी दैनिक आय प्रभावित हो रही है और ऑटो की किश्तें निकालना भी मुश्किल होगा।

ट्रैफिक डीएसपी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि फूलबाग चौराहा से गुरुद्वारा तक दोनों ओर का ट्रैफिक एक महीने के लिए बंद रहेगा। शिंदे की छावनी से फूलबाग की ओर जाने वाले वाहनों को नौगजा रोड से डायवर्ट किया गया है। वहीं स्टेशन की ओर से आने वाले ट्रैफिक को जलविहार के सामने से नदी गेट की ओर मोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में लोगों को डायवर्ट रूट पर जाम से बचाने के लिए उचित डायवर्जन बोर्ड, बैरिकेड्स और पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस बल तैनात किया जाएगा। यहां बता दें कि शहर में लगातर बढ़ रहे ट्रैफिक दबाब से एलिवेटेड रोड काफी राहत देने वाला है, लेकिन इसके निर्माण के पूरे होने तक शहरवासियों के साथ पर्यटक, व्यापारियों को फिलहाल परेशानी का सामना करना ही पड़ेगा।

मौसम में तेजी से बदलाव आना शुरू

- दिन में गर्मी, अब रात में भी

- फरवरी में पहली बार रात का पारा 15 डिग्री पर

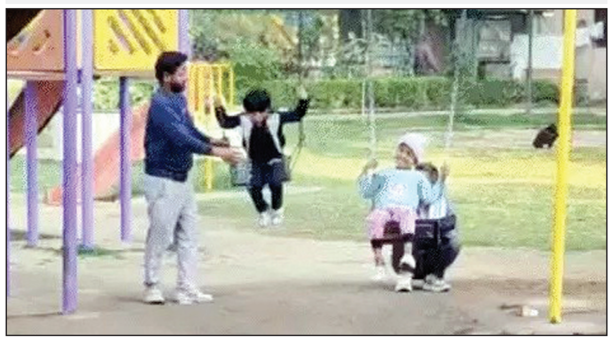

ग्वालियर। गर्मी का मौसम शुरू हो गया है और तापमान तेजी से बढ़ रहा है। रविवार को ग्वालियर का अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। यह है इस महीने का सर्वाधिक अधिकतम तापमान है। लगभग 25 दिन के बाद रात का पारा 15 डिग्री पर पहुंचा है। आईएमडी के अनुसार आगामी 48 घंटे में 1 से 3 डिग्री तापमान और बढ़ने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 15 से बढ़कर 17 डिग्री के आसपास रहने की उम्मीद है।

स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, ग्वालियर में अगले कुछ दिनों तक गर्मी जारी रहेगी ध्और दोनों तापमान 2 से 3 डिग्री डिग्री तक ऊपर जा सकते हैं। हालांकि रविवार को भी दोनों तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज हुए हैं। बीते दिन शनिवार को अधिकतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था जो की सामान्य से एक डिग्री अधिक था, लेकिन रविवार को 0.9 अंक बढ़कर दिन का पारा 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से एक 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इसी तरह शनिवार को न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस आंका गया था, लेकिन रविवार को 0.8 अंक बढ़कर न्यूनतम तापमान 15.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। रविवार को सुबह की आर्दता 90 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 40 प्रतिशत दर्ज हुई और हवाएं शांत रही। दिन की धूप में तपिश हावी रही जिससे गर्मी में चुभन महसूस हुई।

शादी में जा रहे बाइक सवार को ऑटो चालक ने मारी टक्कर, मौत

ग्वालियर। शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे युवक को मैरिज गार्डन के सामने ऑटो चालक ने लापरवाही से आटो चलाते हुये युवक को टक्कर मार दी। टक्कर होने से बाइक सवार युवक सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसके सिर में चोट आई। हादसा बिजौली थाना क्षेत्र के कस्तूरी मैरिज गार्डन गणेशपुरा का है। हादसे का दर्दनाक पहलू यह रहा कि जिस समय हादसा हुआ मृतक का भाई मैरिज गार्डन के सामने इंतजार कर रहा था और उसके सामने ही हादसे में उसके भाई की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है।

बलराम बघेल 45 वर्ष पुत्र रामेश्वर बघेल निवासी मौ जिला भिंड की सड़क हादसे में मौत हो गई। बलराम काम के सिलसिले में मुर्गी फार्म हाउस बड़ा गांव में आकर रहने लगा था। उसके साथ उसका छोटा भाई अरविंद बघेल भी रहता है। गणेशपुरा स्थित कस्तूरी मैरिज गार्डन में किसी परिचित के वहां शादी थी, इसलिए अरविंद बघेल पहले पहुंच गया था, जबकि बलीराम ने कुछ देर बाद आने के लिए कहा। शाम को 7 बजे के करीब बलराम अपनी बाइक से शादी में शामिल होने जा रहा था। कस्तूरी मैरिज गार्डन के सामने पहुंचा ही था कि सामने से आ रहे ऑटो नम्बर एमपी07जेडजेड-2460 के चालक ने लापरवाही बरतते हुए सामने से बाइक में टक्कर मार दी। ऑटो की टक्कर से बलराम सड़क पर गिर गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। मैरिज गार्डन के सामने बलराम का इंतजार कर रहा उसका छोटा भाई अरविंद अपने साथियों के साथ तुरंत मुरार हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने जांच के बाद बलराम को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया। हादसे के बाद ऑटो चालक फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

मां ने डांटा तो घर छोड़कर चला गया मासूम

– 7 घंटे की मशक्कत के बाद सिरोल पुलिस ने किया सकुशल दस्तयाब

ग्वालियर। शाम को खेलकर देर से घर पहुंचे 11 वर्षीय बेटे को उसकी मां ने डांटकर घर से भगा दिया। मां की डांट से डरा-सहमा मासूम बालक घर से दूर निकल गया और एक रिसॉर्ट के पास जाकर छिप गया। जब काफी देर तक बच्चा घर नहीं पहुंचा तो उसकी मां सिरोल पुलिस थाने पहुंची और पूरी बात बताई। मामला चूंकि एक बच्चे के गायब होने का था, इसलिए पुलिस तुरंत सक्रिय हुई और उसकी तलाश में जुट गई। जानकारी के अनुसार मेहरा गांव में रहने वाली सविता जाटव का 11 वर्षीय का बच्चा वंश शनिवार की शाम को खेलकर देर से घर पहुंचा था। देर से घर पहुंचा तो उसकी मां ने डांटा और घर से बाहर निकाल दिया। काफी देर तक वंश वापस नहीं आया तो सविता ने उसकी आस-पास तलाश की, लेकिन कहीं नहीं मिला। हमारे पास आई और पूरी बात बताई तो तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम सहित आस-पास के थानों को सूचना दी। मामला चूंकि बच्चे के लापता होने का था इसलिए कोई रिस्क नहीं ले सकते थे। पुलिस टीमें लगातार बच्चे को तलाश कर रही थीं। एक पुलिस टीम रात के 2.20 बजे ग्लोबल लोट्स रिसॉर्ट डीबी सिटी के पास पहुंची तो वहां वंश बैठा हुआ मिला जो कि बहुत डरा-सहमा था। सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचा और बच्चे से बात की। वंश ने बताया कि उसे भूख लगी है तो रिसॉर्ट से खाना मंगाकर उसे खिलाया। वंश को लेकर उसकी मां सविता जाटव के पास पहुंचे और दोनों को समझाया कि इस तरह सब परेशान होते हैं, इसलिए कभी भविष्य में ऐसा न करें। वंश की मां सविता को समझाया कि बच्चों को डांटे, लेकिन घर से बाहर नहीं निकाले। वहीं बच्चे को समझाया कि माता-पिता भले के लिए डांटते हैं, उनसे कभी नाराज नहीं होना चाहिए।

नशे में धुत महिलाओं का हंगामा, बच्चा चोरी के आरोप में लोगों ने पीटा, वीडियो वायरल

ग्वालियर। नशे में धुत दो महिलाओं ने शनिवार देर रात सड़क पर जमकर हंगामा किया। बच्चा चोरी के आरोप में स्थानीय लोगों ने इन महिलाओं की पिटाई भी कर दी। यह घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के नाका चंद्रवानी इलाके में हुई।

जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं शराब के नशे में सड़क पर बैठकर उपद्रव कर रही थीं। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने उन पर बच्चा चोरी का आरोप लगाया, जिसके बाद भीड़ ने उन्हें पीटना शुरू कर दिया। यह हंगामा करीब एक घंटे तक चलता रहा। घटनास्थल पर मौजूद एक अन्य युवक ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अपने मोबाइल से बना लिया और रविवार को उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया, जो अब वायरल हो रहा है।

सूचना मिलने पर झांसी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा शांत कराया। इसके बाद दोनों महिलाओं को पुलिस हिरासत में लेकर थाने ले आई। इस मामले में झांसी रोड पुलिस का कहना है कि दो महिलाओं के नशे में हंगामा करने की सूचना स्थानीय लोगों द्वारा दी गई थी, सूचना मिलने पर थाने का बल मौके पर पहुंचा था। जहां हंगामा कर रही महिलाओं को पकड़कर थाने लाया गया था, महिलाओं के साथ बच्चा चोरी के आरोप में स्थानीय लोगों द्वारा मारपीट भी की गई थी। फिलहाल पुलिस दोनों महिलाओं से पूछताछ कर रही है।

अम्मा महाराज की छत्री में बने विष्णु मंदिर में चोरी, प्रतिमाएं व सामान ले गए चोर

ग्वालियर। कड़ी सुरक्षा में रहने वाली कटोराताल स्थित अम्मा महाराज की छत्री परिसर में बने विष्णु मंदिर में चोरी होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चोर अम्मा महाराज की छत्री में बाउंड्री फांदकर घुसे और मंदिर में रखी प्रतिमाओं सहित उनका सामान चोरी कर ले गए। घटना का पता सुबह उस समय चला जब पूजा करने पहुंचे पुजारी ने संदूक खोलकर सामान की गिनती की। अम्मा महाराज की छत्री में चोरी होने की बात पता चलते ही झांसी रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफमामला कायम कर लिया।

अमर सिंह परिहार निवासी नाका चंद्रवदनी ओफो की बगिया अम्मा महाराज की छत्री में सिक्योरिटी गार्ड है। उसके साथ एक गार्ड और रहता है जो छत्री परिसर के अंदर रहकर निगरानी करता है। जबकि सुबह 6 बजे तीसरा गार्ड आकर सुरक्षा व्यवस्था संभालता है। शनिवार सुबह अम्मा महाराज की छत्री में बने विष्णु भगवान के मंदिर में रखी पेटी निकालकर सामान गिनना शुरु किया तो सामान कम निकला। पेटी खोलकर अज्ञात चोर उसमें रखीं भगवान की प्रतिमाएं व उनका सामान चोरी कर ले गए थे। प्रतिमाएं व सामान चांदी, पीतल व तांबे सहित अन्य धातुओं से निर्मित हैं। चोरी गए सामान की कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई गई है। झांसी रोड थाना पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

आगरा गया था परिवार, चोर सून घर से सोने-चांदी के जेवर ले उड़े

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के कुंज विहार कॉलोनी फेस-1 में सूने घर का फायदा उठाकर अज्ञात चोर दो अलमारियों के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। वारदात के समय परिजन आगरा गए थे। पुलिस ने मामला कायम कर जांच शुरु कर दी है।

जानकारी के अनुसार रोबिन त्यागी पुत्र पुरुषोत्तम त्यागी निवासी मकान नंबर ए-47, कुंज विहार कॉलोनी गोला का मंदिर 19 फरवरी की शाम करीब 5.30 बजे परिवार सहित आगरा गए थे। अपने पड़ोसी गुड्डू चौहान से घर पर नजर रखने को कह गए थे। 21 फरवरी की सुबह गुड्डू चौहान ने रोबिन त्यागी को फोन पर सूचना दी कि तुम्हारे घर का मेन गेट का ताला टूटा हुआ है तथा घर के अंदर सामान बिखरा हुआ है। सूचना मिलते ही रोबिन त्यागी सुबह ही आगरा से वापस आ गए। घर के अंदर गए तो देखा कि कमरों के ताले टूटे हुए थे तथा जो अलमारियां रखी थी वह भी खुली हुई थी। अज्ञात चोर अलमारियों में रखी चांदी की मूर्ति, चांदी की पायल, चांदी के 11 सिक्के, 8 जोड़ी बिछिया, सोने की एक चेन, सोने की झुमकी तथा नकदी ले गए। परिजनों ने घर में चोरी होने की सूचना गोला का मंदिर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की मदद ली, लेकिन उससे ज्यादा कुछ मिला नहीं। पुलिस ने मामला कायम कर जांच शुरु कर दी है।

ड्रायफ्रूट्स की दुकान से बादाम से भरा कार्टून चोरी

चेतकपुरी स्थित पेट्रोलपंप के पास ड्रायफ्रूट्स की दुकान से अज्ञात चोर बादाम से भरा कार्टून चोरी कर ले गया। चोरी गए कार्टून की कीमत 21 हजार रुपए है। झांसी रोड थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। जानकारी के अनुसार ममता चौरसिया पत्नी विष्णु चौरसिया निवासी गली नम्बर 5 नाका चंद्रबदनी ने झांसी रोड थाने पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई कि 20 फरवरी को रात में करीब 8 बजे अज्ञात चोर उनकी दुकान में आया और सबकी नजरों से बचता हुआ बादामों से भरा कार्टून चोरी कर ले गया। घटना का पता तब चला जब सामान की गिनती की गई। ममता चौरसिया ने बताया कि जो कार्टून चोरी हुआ उसमें 25 किलो बादाम थी, जिनकी कीमत 21 हजार रुपए है। पुलिस ने बादामों से भरे कार्टून चोरी होने की बात सुनी तो उसके बाद मौके पर पहुंची और दुकानों में लगे सीसीटीवी देखे। प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस ने बादाम चोरी करने वाले के खिलाफ मामला कायम कर लिया है।

पुलिस ने ली स्कूटी की तलाशी, मिले देशी शराब के क्वार्टर और बीयर की केन

ग्वालियर। स्कूटी पर अवैध शराब लेकर जा रहे एक अवैध शराब के तस्कर को पुलिस ने पेन इन प्लाजा के पास से पकड़ा है। इंदरगंज थाना पुलिस ने एक स्कूटी को रोककर उसकी तलाशी ली तो उसमें देशी शराब और बीयर की केन भरी मिलीं। वहीं महाराजपुरा पुलिस ने दो शराब तस्करों को मंदिरों के पास से शराब बेचते हुए पकड़ा। पकड़ में आए आरोपियों से देशी शराब के 115 क्वार्टर और 12 बीयर की केन जब्त की हैं। र ने बताया कि शनिवार शाम को पुलिस चेकिंग कर रही थी। पेन इन प्लाजा के पास सब इंस्पेक्टर यशपाल सिंह भदौरिया वाहनों की जांच कर रहे थे। उसी समय एक स्कूटी नम्बर एमपी07जेडएन-7668 आती हुई नजर आई तो उसे रोका। पुलिस के रोकते ही स्कूटी चालक पप्पू परिहार पुत्र चौखेलाल परिहार निवासी ग्राम कुलैथ तिघरा हड़बड़ा गया और पुलिस से नजरें चुराने लगा। पुलिस ने जब पप्पू परिहार की स्कूटी की डिग्गी खोली तो उसमें अवैध शराब भरी मिली। अवैध शराब की गिनती करने पर देशी शराब के 70 क्वार्टर तथा बीयर की 12 केन मिली।

मंदिरों के पास बेच रहे थे अवैध शराब

महाराजपुरा थाना टीआई यशवंत गोयल को सूचना मिली थी कि सिद्ध बाबा मंदिर बीपी सिटी के पास तथा काली माता मंदिर मोड़ बहादुरपुर के पास अवैध शराब की खरीद-फरोख्त हो रही है। सूचना मिलते ही टीआई गोयल ने तत्काल दो टीमें बनाईं और शराब बेचने वालों के खिलाफकार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस ने सिद्ध बाबा मंदिर के पास से दीपक लोधी पुत्र कमल सिंह लोधी निवासी पद्मपुर खेरिया को पकड़ा। दीपक लोधी के पास से देशी शराब के 20 क्वार्टर मिले। जबकि काली माता मंदिर के पास से राकेश सिंह किरार पुत्र दीवान सिंह किरार निवासी बहादुरपुर को पकड़ा। तलाशी लेने पर राकेश किरार के पास से देशी शराब के 25 क्वार्टर मिले, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया।

तीन दिवसीय प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना का समापन

– ग्वालियर में 322 गिद्ध दिखे व 45 घोसलें

ग्वालियर। प्रदेश भर में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के लिए वन विभाग द्वारा बीती 20 फरवरी से प्रदेश भर में एक साथ तीन दिवसीय गिद्ध गणना की जा रही थी। इस गणना में स्थानीय वन अमला स्वयंसेवक और पर्यावरण प्रेमी द्वारा प्रतिदिन सुबह 6 से 9 बजे तक जंगल में ऊंची पहाड़ी और शांत क्षेत्र में खोजबीन की जा रही थी।

गिद्ध गणना के तीसरे दिन रविवार को ग्वालियर वन मंडल में कुल 322 गिद्धों की पुष्टि हुई है एवं 45 घोसलों का भी पता चला है। शीतकालीन तीन दिवसीय गणना में सर्वाधिक गिद्ध तिगरा वन पर क्षेत्र गेमरेंज में देखने को मिले हैं। जबकि ग्वालियर और घाटीगांव में भी एक सैकड़ा से अधिक गिद्ध देखने में आए हैं। उत्तर घाटी गांव अंतर्गत बसौटा पहाड़ी पर विशेष प्रजाति के गिद्ध देखने में आए हैं। खास बात यह है की सर्वाधिक देसी गिद्ध ग्वालियर के जंगल में है। यूरेशियन और सिनेरियस भी देखे गए हैं। ग्वालियर वनमंडल के 6 रेंज अनुसार ग्वालियर वन परिक्षेत्र में 50 गिद्ध और 14 घोसला जबकि बेहट रेंज में 25 गिद्ध और घाटीगांव उत्तर में 52 घाटीगांव दक्षिण में 27 एवं गेमरेंज घाटीगांव में 19 जबकि तिघर रेंज में 149 और टोटल 45 घोसला हैं।

संपादकीय

पढ़ने का परिवेश : ज्ञान, चिंतन और व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला

डॉ विजय गर्ग

मनुष्य के बौद्धिक विकास में पढ़ने की आदत अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन केवल पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है; पढ़ने का परिवेश भी उतना ही आवश्यक है। शांत, प्रेरणादायक और संसाधनों से समृद्ध वातावरण व्यक्ति में जिज्ञासा, एकाग्रता और गहन चिंतन की क्षमता विकसित करता है।

पढ़ने का परिवेश क्या है?

पढ़ने का परिवेश उस वातावरण को कहा जाता है जहाँ व्यक्ति सहजता से पढ़ सके, समझ सके और सीखी हुई बातों पर विचार कर सके। इसमें भौतिक वातावरण, मानसिक स्थिति और सामाजिक सहयोग – तीनों का योगदान होता है।

अच्छा पढ़ने का परिवेश क्यों जरूरी है?

एकाग्रता बढ़ाता है - शांत वातावरण ध्यान भटकने से रोकता है, समझने की क्षमता विकसित करता है - व्यवस्थित स्थान और पर्याप्त प्रकाश पढ़ने को आसान बनाते हैं, जिज्ञासा को प्रोत्साहित करता है - पुस्तकों से घिरा वातावरण सीखने की इच्छा जगाता है, आत्म-अनुशासन विकसित करता है - नियमित अध्ययन की आदत बनती है।

आदर्श पढ़ने के परिवेश की विशेषताएँ

शांत और स्वच्छ स्थान

शोर-शराबे से दूर, साफ और व्यवस्थित जगह पढ़ने के लिए उपयुक्त होती है। स्वच्छता मन को स्थिरता प्रदान करती है।

पर्याप्त प्रकाश और हवा

प्राकृतिक प्रकाश सबसे उत्तम होता है। अच्छी रोशनी आँखों पर तनाव कम करती है और ताजी हवा मस्तिष्क को सक्रिय रखती है।

उचित बैठने की व्यवस्था

आरामदायक कुर्सी और सही ऊँचाई की मेज शरीर को थकान से बचाती है, जिससे लंबे समय तक पढ़ना संभव होता है।

पुस्तकों की उपलब्धता

घर, विद्यालय और पुस्तकालयों में विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध होने से बच्चों और युवाओं की रुचि बढ़ती है।

डिजिटल विकर्षणों से दूरी

मोबाइल फोन और अनावश्यक स्क्रीन समय पढ़ाई में बाधा डालते हैं। पढ़ते समय इनसे दूरी बनाए रखना आवश्यक है।

परिवार और विद्यालय की भूमिका

माता-पिता बच्चों को कहानी पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करें।, घर में 'पढ़ने का समय' निर्धारित किया जा सकता है।, विद्यालयों में पुस्तकालय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, शिक्षक विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पढ़ने का वातावरण

ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी हो सकती है, परंतु सामुदायिक पुस्तकालय, विद्यालय पुस्तकालय और मोबाइल पुस्तकालय इस कमी को दूर कर सकते हैं। शहरी क्षेत्रों में संसाधन अधिक होते हैं, लेकिन डिजिटल व्याकुलता एक बड़ी चुनौती बन जाती है।

डिजिटल युग में पढ़ने का परिवेश

ई-पुस्तकें और ऑनलाइन संसाधन ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं, परंतु संतुलन आवश्यक है। स्क्रीन और मुद्रित पुस्तकों दोनों का संतुलित उपयोग सर्वोत्तम परिणाम देता है।पढ़ने का अनुकूल परिवेश व्यक्ति के बौद्धिक और नैतिक विकास की नींव रखता है। यह केवल परीक्षा में सफलता का साधन नहीं, बल्कि जीवन भर सीखते रहने की आदत विकसित करने का माध्यम है। यदि परिवार, विद्यालय और समाज मिलकर पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा दें, तो एक जागरूक, संवेदनशील और ज्ञानसम्पन्न समाज का निर्माण संभव है।पढ़ने का सही वातावरण केवल किताबों से नहीं बनता – यह सोच, अनुशासन और प्रेरणा से निर्मित होता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

अधूरे सामाजिक बदलाव की चुनौती, कानून से आगे संकल्प और क्रांति की जरूरत

> लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी। आखिर गृहयुद्ध हुआ। दास प्रथा मिटी, राष्ट्र की एकता भी बची रही। गेटिसबर्ग में गृह युद्ध में मारे गए, लापता हुए लोगों के लिए बने स्मारक के उद्घाटन भाषण में 19 नवंबर 1863 को लिंकन ने इस सफलता का जो कारण बताया, वह लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा बन गई,

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक निर्देश से लोग रातोरात दो खेमों में बंट गए। अचानक सैकड़ों 'परीक्षक' सामने आ गए, जो हर किसी पर इस या उस पार होने के विकल्प के साथ प्रश्न खड़ा करने लगे। यों यह समस्या पानी के बुलबुले की तरह है, पर ऐसे परेशान करने वाले सवाल आगे नहीं आएंगे, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता है। मूल समस्या तात्कालिकता में नहीं है। सामाजिक बदलाव के अधूरे सपने और आधे मन से प्रयास के कारण हम अपेक्षित सामाजिक रचना के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए हैं। न अस्पृश्यता समाप्त हुई, न जातीय चेतना की जड़ें हिल पाईं। ऐसा क्यों हुआ, इसका उत्तर ही समाधान की राह बताता है। प्रत्येक समाज की अपनी यात्रा में कभी न कभी कठिन और कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ता है। तब उसके दो विकल्प होते हैं। पहला, उसे टालना और भविष्य पर छोड़ देना तथा उसका प्रत्यक्ष सामना करने से बच निकलना। यह अधिक प्रचलित रास्ता है। दूसरा, स्वतंत्रता और समानता के बुनियादी उसूलों को सामने रखकर उसका सामना करना। इतिहास ने साबित किया है कि दूसरा रास्ता ही फलदायी रहा है।यहां अमेरिका की एक ऐतिहासिक घटना का उल्लेख उपयोगी है। वहां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली, सामाजिक रूप से 'प्रतिष्ठित', आर्थिक रूप से संपन्न-सभी दास प्रथा से लाभान्वित थे। अमेरिका के तेरहवें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने जब इसे समाप्त करने का संकल्प लिया, तब उनके सामने विलक्षण स्थिति थी। उनके मंत्रिमंडल में एक भी अपवाद नहीं था, जिसके पास पचास-सौ दास नहीं हो। यहां तक कि अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थामस जैफरसन जो 'सभी मनुष्य बराबर है' के प्रवचनकर्ता थे, वे भी इस गैरबराबरी के पोषक थे। भले ही तब लिंकन को पता नहीं था, पर इतिहास ने इस कड़वे सच से भी पर्दा उठा दिया। दोहरे चरित्र का यह चरम था।लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी

लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी। आखिर गृहयुद्ध हुआ। दास प्रथा मिटी, राष्ट्र की एकता भी बची रही। गेटिसबर्ग में गृह युद्ध में मारे गए, लापता हुए लोगों के लिए बने स्मारक के उद्घाटन भाषण में 19 नवंबर 1863 को लिंकन ने इस सफलता का जो कारण बताया, वह लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा बन गई, 'जो सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए होती है, वह पृथ्वी से कभी नहीं मिट सकती है।' इसका साफ संदेश था सामाजिक बदलाव के लिए संकल्प ही नहीं, मन को दृढ़ करने की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सामाजिक संरचना में परिवर्तन स्वतंत्रता, समानता के उद्घोषक जैफरसन के भाषणों से नहीं, लिंकन के साहस से हो पाया। भारत की सामाजिक परिस्थितियां और बुराइयां अमेरिका से भिन्न हैं। इसलिए यहां अमेरिका की तरह बदलाव राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति से ही संभव है। पिछली शताब्दी के पचास-साठ के दशकों में राजनीतिक दलों ने जातिवाद को मिटाने का संकल्प दिखाया था। दीनदयाल उपाध्याय, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण इसके बड़े नायकों में थे। दीनदयाल तो 1963 में जातिवाद के विरुद्ध अपने उद्गारों से जौनपुर की जीती हुई सीट हार गए।तब और अब में एक चिंताजनक बदलाव हुआ है। उस काल में अस्पृश्यता और जातीय पहचान को राजनीति में नफा-नुकसान के अंदाज से कम देखा जाता था। इसलिए उस काल के राजनीतिक कार्यकर्ताओं में सर्वसमावेशी चरित्र की मात्रा अधिक थी। पर समकालीन भारत में गजब का विरोधाभास है। एक ओर आधुनिक संपन्नता और बहुत सारी जगहों पर विश्वविद्यालयों की चमचमाती बहुमंजिला इमारतें हैं, वहीं लोग 'जातीय चेतना' में गोलबंद हो रहे हैं। आखिर चूक कहां हुई? स्वतंत्रता के बाद अस्पृश्यता और जातिवाद का हल संवैधानिक रास्ते से करने का प्रयास हुआ। इसने सामाजिक रास्ते से परिवर्तन के प्रयास का अर्ध-राजनीतिकरण कर दिया। परिणाम सामने है- 'नौ दिन चले, ढाई कोस'। कानून और अवसर की समानता की गारंटी सामाजिक सोच नहीं बदल पाती है, न ही शुद्ध सांस्कृतिक पहचान की स्थापना के द्वारा इसे बदला जा सकता है।समस्या की जड़ में सामंती मानसिकता है, जो संविधान में घोषित समानता और भ्रातृत्व को जमीन पर उतरने नहीं देती है। स्वतंत्रता से पूर्व सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण ने निदान की राह खोली। आर्य समाज, प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज, सत्यशोधक समाज आदि सामाजिक समानता की चेतना जागृत करते रहे। चाल धीमी, पर प्रभावी थी। उन सबके द्वारा सामाजिक उन्नति को सुधार और सांस्कृतिक चेतना, दोनों के द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा था। महादेव गोविंद रानाडे का सामाजिक सुधार सम्मेलन शिक्षित और संपन्न लोगों को उस दलदल से निकाल रहा था। महात्मा गांधी ने 1933 में वर्धा के राम मंदिर से अस्पृश्यता के विरुद्ध अभियान शुरू किया, जो नौ महीने चला। गांधी को लगातार विरोध, प्रश्नों और कुतर्क पर आधारित विवादों का सामना करना पड़ा था। पर वे लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहे। वह अंतिम सुनियोजित, सुविचारित और गैर-राजनीतिक प्रयास साबित हुआ।

सामाजिक प्रश्नों पर राजनीति का वर्चस्व अब एकाधिकार तक पहुंच गया है। परिणामतः विवेक और तर्क तथा दीर्घकालिक सोच का उपयोग समाप्त हो गया है। सामाजिक बुराइयों को सामाजिक संघर्ष का रूप देना राजनीति में उपयोगी हो गया। इसमें हर पक्ष की अपनी दलील और अपना स्वार्थ होता है। बाबा साहब आंबेडकर ने प्रश्न खड़ा किया था कि कांग्रेस, हिंदू महासभा, साम्यवादियों और साधु-संतों ने अस्पृश्यता समाप्त करने के लिए क्या किया है? अब इस प्रश्न की प्रासंगिकता और इसका दायरा, दोनों बढ़ गए हैं- 'हम सबने अस्पृश्यता और जातिवाद को मिटाने के लिए क्या किया है?'

समकालीन समाज तेजी से बदल रहा है। हर दिन अखबारों और डिजिटल माध्यमों में पीड़ा, असमानता और संघर्ष की खबरें आम हो गई हैं। आदिवासी अंचलों में विस्थापन, शहरों की ओर बढ़ता पलायन, शिक्षा से बाहर होते बच्चे और महिलाओं के साथ होती हिंसा- ये अब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि आंकड़ों में दर्ज सच्चाइयां हैं। इन पर हम दुख व्यक्त करते हैं, सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हमारा सामाजिक आचरण अक्सर वहीं ठहर जाता है।

तालाब मरे नहीं, मारे गए

कोटा की पहचान कभी कोचिंग, उद्योगों या कोटा स्टोन की खदानों से नहीं, पानी की संस्कृति से थी। पहाड़ियों से उतरता वर्षा जल जब तालाबों में सहेजा जाता था, तो शहर सिर्फ बसता नहीं, सांस लेता था। आज वही सांस टूट रही है। कभी 19 रियासतकालीन तालाब थे, अब चार बचे हैं। बाकी इतिहास की तरह नहीं, प्रशासन की चुप्पी और 'राजनीतिक शह' से मिटाए गए। कहीं कॉलोनियां काटकर, कहीं फ्लाई ऐश डालकर, कहीं सीवरेज मोड़कर। यह सिर्फ जल-स्रोतों का क्षय नहीं, शहर की आत्मा का क्षरण है।

पठारी क्षेत्र का पानी जब रियासतकालीन तालाबों में थमता था, तो बाढ़ नहीं आती थी, भूजल मुस्कुराता था और शहर सुकून से जीता था।

आज वही तालाब एक-एक कर मर रहे हैं और उनके साथ मर रहा है शहर का वैभव और समृद्ध इतिहास। रंगबाड़ी का चार सौ साल पुराना तालाब सीवरेज की बदबू में डूबा है। जौहरा बाई तालाब में कई सालों तक फ्लाई ऐश डालते रहे। अनंतपुरा और शिवपुरा तालाब भूमाफियाओं के कब्जे में हैं और काला तालाब पर तो कॉलोनी ही काट दी गई। छत्रपुरा तालाब के दोनों तरफ बस्तियां बसी तो अब वह 'नाला' ही रह गया। सवाल यह नहीं कि अतिक्रमण हुआ, सवाल यह है कि किसकी आंखों के सामने हुआ? नगर निगम, यूआइटी (अब केडीए), राजस्व और वन विभाग...सबकी नजरों के सामने तालाब गायब होते रहे। यह लापरवाही है या सुनियोजित लूट?

विडंबना देखिए, जिन तालाबों से हमारी संस्कृति जुड़ी थी, जहां हाड़ौती की आत्मा बसती थी, वे तालाब रिकॉर्ड से ही गायब कर दिए गए। विधानसभा में खुद नगरीय विकास मंत्री ने माना कि कोटा का महुआ, कोटड़ी, रानीसागर, झेला और रामकुंड तालाब का रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं है।

तालाब केवल पानी भरने के गड्ढे नहीं होते। वे शहर की प्राकृतिक जल-निकासी प्रणाली हैं, भूजल के भंडार हैं, जैव-विविधता के घर हैं और सांस्कृतिक स्मृतियों के मंदिर हैं। जब हम उन्हें पाटते हैं, तो बारिश में सड़कें डूबती हैं, कॉलोनियां जलमग्न होती हैं, बोरवेल सूखते हैं और तापमान बढ़ता है। बारिश के दौरान हर साल जलप्लावन और बाढ़ का संकट हमारी अपनी बनाई त्रासदी है।

यह भी सच है कि तालाबों पर कब्जा किसी एक व्यक्ति या विभाग का अपराध नहीं, एक सामूहिक अपराध है। भूमाफिया तभी पनपते हैं जब प्रशासन आंखें मूंद ले और समाज चुप्पी साध ले। नगर निकायों की लापरवाही, राजनीतिक संरक्षण और नागरिक उदासीनता...तीनों ने मिलकर तालाबों को कंक्रीट की कब्र बना दिया। तालाबों की जमीन पर फार्म हाउस, मैरिज गार्डन और अवैध कॉलोनियां फल-फूल गईं।

विडंबना यह भी है कि हम स्मार्ट सिटी का तमगा लिए घूम रहे हैं, लेकिन अपनी जल-स्मृति मिटा रहे हैं। पर्यटन, पर्यावरण और जल सुरक्षा...तीनों के लिए तालाबों का संरक्षण अनिवार्य है। अगर ये पुनर्जीवित हों, तो शहर का भूजल सुधरेगा, हरियाली लौटेगी और सांस्कृतिक पर्यटन का नया अध्याय खुलेगा। जिसकी कोटा को तत्काल आवश्यकता भी है।

कोटा दक्षिण के विधायक ने यह मुद्दा सदन तक पहुंचाकर एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाया है। अब अपेक्षा है कि वे तालाबों को नष्ट करने वालों पर सख्त कार्रवाई करवाने का विषय भी उठाएं और तालाबों को खाली करवाने की जिम्मेदारी लें। यह सभी जनप्रतिनिधियों के लिए संकल्प लेने का भी सही वक्त है कि वे न केवल पुरानी जल संरचनाओं को संरक्षित करें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए नई जल संरचनाएं तैयार करने की दिशा में भी सार्थक कार्य करें।

समाधान स्पष्ट है। हर तालाब की सीमांकन-मैपिंग हो, अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चले, सीवरेज और औद्योगिक मलबे पर कठोर दंड हो और नागरिक समितियों को निगरानी में शामिल किया जाए। नामजद जिम्मेदार तय हों, अवैध निर्माण पर तत्काल बुलडोजर चले और दोषियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हों। ...क्योंकि तालाब बचाना केवल पानी बचाना नहीं, शहर का 'चरित्र' बचाना है। अगर हमने अभी भी अनदेखी की, तो आने वाली पीढ़ियां पूछेंगी-क्या तुम्हें पानी की कमी थी या संवेदना की? ...और तब हमारे पास कोई जवाब नहीं होगा, क्योंकि सूखे तालाबों के नीचे हमारी चुप्पी का इतिहास लिखा होगा।

'पैक्स सिलिका' से भारत को मिलेगी वैश्विक बढ़त

> 'पैक्स' का अर्थ है शांति और 'सिलिका' आधुनिक कंप्यूटिंग की नींव है। पैक्स सिलिका का उद्देश्य एआइ जैसी आधुनिक व संवेदनशील तकनीक का शत्रुतापूर्ण इस्तेमाल रोकना है। हालांकि, इस अमरीकी पहल का रणनीतिक उद्देश्य चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है। जाहिर है भारत को इससे बाहर रखना किसी भी तरह समझदारी नहीं थी।

अमरीका की पहल 'पैक्स सिलिका' पर हस्ताक्षर करके भारत ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर लिया है। यह भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने और वैश्विक मंच पर निर्णायक खिलाड़ी के रूप में उभारने का मार्ग प्रशस्त करने वाला है। यह एआइ और सेमीकंडक्टर जैसी भावी तकनीकी जरूरतों के लिए मजबूत इकोसिस्टम बनाने की दिशा में काफी अहम है। व्यापार समझौते पर गतिरोध दूर करने के लिए अमरीका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था, जिसे स्वीकार करने में भारत ने कोई कोताही नहीं बरती।

'पैक्स' का अर्थ है शांति और 'सिलिका' आधुनिक कंप्यूटिंग की नींव है। पैक्स सिलिका का उद्देश्य एआइ जैसी आधुनिक व संवेदनशील तकनीक का शत्रुतापूर्ण इस्तेमाल रोकना है। हालांकि, इस अमरीकी पहल का रणनीतिक उद्देश्य चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकना है। जाहिर है भारत को इससे बाहर रखना किसी भी तरह समझदारी नहीं थी। नई दिल्ली में इंडिया एआइ इंपैक्ट समिट के दौरान सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और अमरीकी आर्थिक मामलों के मंत्री जैकब हेलबर्ग ने 'पैक्स सिलिका' घोषणा पत्र पर औपचारिक मुहर लगाई।हस्ताक्षर करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, यूएई, सिंगापुर, इजराइल, कतर और ग्रीस शामिल हैं। कनाडा, यूरोपीय संघ, नीदरलैंड्स और ताइवान जैसे देश भी इसमें भागीदार हैं। भारत एआइ और सेमीकंडक्टर मिशन पर अरबों डॉलर खर्च कर रहा है एवं अमरीका और चीन के बाद तीसरी बड़ी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। एआइ और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए लिथियम, कोबाल्ट और ग्रेफाइट जैसे खनिज अनिवार्य हैं। जाहिर है जरूरी खनिजों और तकनीक की साझेदारी के बिना भारतीय मिशन को पूरा करना मुश्किल टास्क होता। 'पैक्स सिलिका' में शामिल होने के बाद भारतीय डेटा सेंटरों और क्लाउड कंप्यूटिंग में निवेश बढ़ेगा। यह भारत की वैश्विक छवि को एक 'जिम्मेदार तकनीकी शक्ति' के रूप में स्थापित करता है।

'पैक्स सिलिका' की शर्तें पूरी तरह सामने नहीं आई हैं, इसलिए इसके जोखिमों की स्पष्ट पहचान अभी नहीं की जा सकती, पर रणनीतिक मामलों में अमरीका के ज्यादा करीब आने पर रूस जैसे भरोसेमंद दोस्त से तारतम्य बिगड़ने का जोखिम जरूर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ भारतीय डेटा को साझा करने के भी अपने खतरे हैं। बढ़ती नजदीकियों के बावजूद भारत अमरीका पर पूरी तरह भरोसा नहीं कर सकता, खासकर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर, जो पाकिस्तान जैसे शत्रु देश को गोद में बैठाने के लिए बेताब दिखते हैं व बांग्लादेश जैसे भरोसेमंद पड़ोसी को उकसाने का मौका नहीं छोड़ते। रूस और अमरीका के बीच भारत सरकार किस तरह सामंजस्य बिठाती है- यह देखने वाली बात होगी।

विज्ञान पर अटल, भारत में पनप रही नई वैज्ञानिक चेतना

> मगर अटल टिंकरिंग लैब ने इस पूरी व्यवस्था में दिलचस्प परिवर्तन किए है। अब कक्षा छह से ही यहां 'खुद करके देखो' की संस्कृति है। संप्रति भारत भर के स्कूलों में फैली इन 10 हजार से अधिक लैब्स में जब कोई बच्चा खुद थ्री-डी प्रिंटर को कमांड देता है या रोबोटिक्स किट को असेंबल करता है,

मनीष त्रिपाठी, नई दिल्ली। भारत के किसी बड़े शहर की चकाचौंध से दूर, ओड़िशा या छत्तीसगढ़ के किसी ऐसे जिले में जहां मोबाइल के सिग्नल भी मुश्किल से पहुंचते हैं, वहां एक 14 साल का बच्चा एक पुराने कार्डबोर्ड, कुछ तारों और एक सस्ते सेंसर के साथ बैठा है। वह कोई खिलौना नहीं बना रहा। वह एक ऐसी मशीन तैयार कर रहा है जो मिट्टी में नाइट्रोजन की कमी होने पर उसके पिता के मोबाइल पर मैसेज भेज सके। जेन जी के शोर और जेनरेटिव एआई की चकाचौंध के बीच यह आज के भारत की वह तस्वीर है जिसे मुख्यधारा का मीडिया अक्सर कुछ कम तवज्जो देता है।यह तस्वीर है बच्चों में विज्ञान चेतना को समर्पित अटल इनोवेशन मिशन की, जो देश के कोने-कोने में स्थापित अटल टिंकरिंग लैब्स के जरिये एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहा है, जो विज्ञान को रटती नहीं, उसे जीती है। 10 सालों की यह कहानी केवल मशीनों की नहीं है; यह कहानी है उस आत्मविश्वास की, जिसने भारत को 'जुगाड़' के देश से 'इनोवेशन' के ग्लोबल हब की ओर मोड़ दिया है। औसत विद्यार्थियों के लिए भारत में विज्ञान शिक्षण एक बोरियत भरा बोझ रहा है। कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड पर 'प्रकाश के परावर्तन' या 'ओम के नियम' के चित्र तो बनते थे, लेकिन साधारण मेधा वाले छात्रों को यह समझ नहीं आता था कि ये उनकी निजी जिंदगी में क्या बदलाव लाएंगे। 'विज्ञान आओ करके सीखें' जैसी पाठ्यक्रम पुस्तकें और 'आविष्कार' जैसी पत्रिकाएं कुछ रुचि जगाती भी थीं, मगर प्रैक्टिकल के पीरियड्स को छोड़कर प्रयोगशाला में प्रवेश लगभग वर्जित था।

हाईस्कूल में पहली बार नसीब होने वाली प्रयोगशालाएं भी ऐसी, जहां उपकरणों की उपलब्धता पाठ्यक्रम से एक इंच टस से मस होने को तैयार नहीं; नतीजतन अरुचि से भरे कई विद्यार्थियों का जोर सीखने पर नहीं, किसी सहृदय प्रयोगशाला सहायक की कृपा से प्रैक्टिकल में नंबर जुगाड़ने पर होता था। ऐसे में कक्षा 10 उत्तीर्ण करने के बाद कई विद्यार्थी वाणिज्य अथवा कला संकाय में प्रवेश ले लेते थे, इनमें भी लड़कियों की संख्या बहुत होती थी।

मगर अटल टिंकरिंग लैब ने इस पूरी व्यवस्था में दिलचस्प परिवर्तन किए है। अब कक्षा छह से ही यहां 'खुद करके देखो' की संस्कृति है। संप्रति भारत भर के स्कूलों में फैली इन 10 हजार से अधिक लैब्स में जब कोई बच्चा खुद थ्री-डी प्रिंटर को कमांड देता है या रोबोटिक्स किट को असेंबल करता है, तो उसके भीतर विज्ञान को लेकर झिझक दीवानगी भरी दिलचस्पी में बदलने लगती है। विज्ञान किताबों के पन्नों से निकलकर उसके हाथों की हथेलियों पर नाचने लगता है। यहां बच्चे विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के सिद्धांतों को किताबों से नहीं, बल्कि प्रयोग करके सीखते हैं। उपकरणों से काम करते हुए वे जिज्ञासा, समस्या-समाधान और रचनात्मकता को विकसित करते हैं। प्रोजेक्ट बनाते हुए टीमवर्क और उद्यमिता की भावना भी विकसित होती है। यही बदलाव छात्रों को रटने से खोज की ओर लेकर जाता है और यही विज्ञान की असली ताकत है!

डीप टेक का बढ़ता दायरा

जिन पाठकों ने इस सप्ताह नई दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट पर नजर रखी होगी, वे समझ रहे होंगे कि भारत की स्थिति आज डीप टेक में वैसी ही है जैसी बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में साफ्टवेयर के क्षेत्र में थी–हम एक बड़े धमाके के मुहाने पर खड़े हैं। आज हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ब्लॉकचेन की बात करते हैं। आम आदमी के लिए ये शब्द अजनबी हो सकते हैं, लेकिन भारत की नवांकुर विज्ञानी मेधा के लिए ये रोजमर्रा के औजार हैं। डीप टेक का सरल अर्थ है ऐसी तकनीक जो गहन वैज्ञानिक शोध पर आधारित हो।

भारत आज अंतरिक्ष से लेकर रक्षा तक में डीप टेक का लोहा मनवा रहा है। जबकि पृष्ठभूमि में एटीएल जैसी इनोवेटिव प्रयोगशालाओं, इसरो के प्रोजेक्ट युविका और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग संचालित इंस्पायर-मानक जैसे कार्यक्रमों से इसकी नींव रखी जा रही है। वास्तव में जब एक छठी कक्षा का बच्चा यह समझता है कि सेंसर कैसे काम करता है और नवीं कक्षा के बच्चे वर्किंग सैटेलाइट माडल बनाते हैं, तो भविष्य के लिए ऐसे डाटा साइंटिस्ट, एआई या स्पेस इंजीनियर तैयार हो रहे होते हैं जो विदेशी ज्ञान पर नहीं, विज्ञान के सहजबोध पर निर्भर होते हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा रोड्रिगेज ने पूरे किए 2500 रन

एडिलेड। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में शनिवार को खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं। शनिवार को एडिलेड में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए भारत ने 6 विकेट खोकर 176 रन बनाए। भारत ने 19 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (7) का विकेट गंवा दिया था। यहां से जेमिमा ने स्मृति मंधाना के साथ दूसरे विकेट के लिए 82 गेंदों में 121 रन की साझेदारी करते हुए पारी को संभाला। मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद शेफाली ने ऋचा घोष के साथ तीसरे विकेट के लिए 14 गेंदों में 28 रन जुटाते हुए टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचाया।

ऋचा घोष 7 गेंदों में 1 छक्के और 2 चौकों के साथ 18 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा ने 59 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट निकाला। भारत ने टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 21 रन से अपने नाम किया था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने अगले मैच को 19 रन से जीता। ऐसे में सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है।

भारत ने जीता महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स का खिताब, फाइनल में बांग्लादेश को 46 रन से रौंदा

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब भारत ए ने जीत लिया। रविवार को बैंगकॉक में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने तेजल हसबनीस की नाबाद अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 134 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में सिर्फ 88 रन ही बना सकी। भारत ने यह मुकबला 46 रन से जीत लिया।

लगातार दूसरी बार भारत बना विजेता

यह भारत की लगातार महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स में दूसरी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2023 में बांग्लादेश को हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस टूर्नामेंट का पहला संस्करण हॉन्गकॉन्ग में खेला गया था। फाइनल में भारत ने 20 ओवर में सात विकेट पर 127 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम 19.2 ओवर में सिर्फ 96 रन ही बना सकी।

शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन से शादी की, युजवेंद्र चहल ने बारात में डांस किया

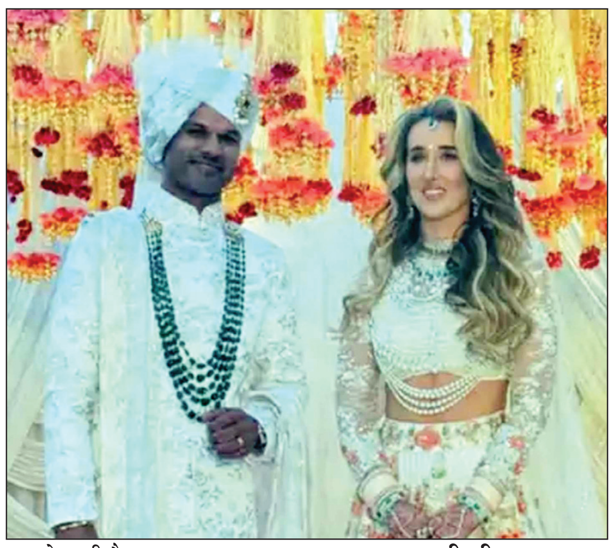

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने गर्लफ्रेंड सोफी शाइन के साथ शादी कर ली है। स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शनिवार को एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वे मौजा ही मौजा गाने पर डांस करते दिख रहे हैं। चहल ने कुछ फोटो भी पोस्ट किए। इनमें धवन और उनकी पत्नी सोफी शाइन स्टेज पर हैं।

40 साल के पूर्व भारतीय ओपनर ने एक महीने पहले 12 जनवरी को अपनी आयरिश गर्लफ्रेंड के साथ सगाई की थी। दोनों पिछले कुछ समय से रिलेशनशिप में थे और मई 2025 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था।

इससे पहले धवन ने 2023 में अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से तलाक ले लिया था। दोनों ने 2011 में शादी की थी। आयशा-धवन का एक बेटा भी है।

पिछले महीने धवन ने सगाई की थी

धवन ने 12 जनवरी को इंस्टाग्राम पर लिखा था- मुस्कान से लेकर सपनों तक, सब कुछ साझा करते हुए। हमारी सगाई के लिए मिले प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। हम हमेशा के लिए एक-दूसरे का साथ चुन रहे हैं। इससे पहले ढ्ढक्क में शिखर के पंजाब किंग्स के लिए खेलने के दौरान भी सोफी टीम को सपोर्ट करती नजर आई थीं।

सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। जब वह धवन से मिली थी तब यूएई में जॉब करती थी। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक वह अमेरिका की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में सेकेंड वाइस प्रेसिडेंट (प्रोडक्ट कंसल्टेंट) के पद पर कार्यरत रही हैं। सोफी पिछले साल जुलाई से धवन की स्पोर्ट्स कंपनी डा वन स्पोर्ट्स की ष्टह्र (चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर) हैं।

नए अफगान कोच को देश में ही रहना होगा, जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल खत्म

नई दिल्ली। जोनाथन ट्रॉट के इस्तीफे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) नए कोच की तलाश के अंतिम चरण में है। इस बीच, बोर्ड के मुख्य कार्यकारी नसीब खान ने साफ कर दिया है कि अगले मुख्य कोच और उनके सपोर्ट स्टाफ को ऑफ-सीजन के दौरान अफगानिस्तान में ही रहकर अपना काम करना होगा।

नसीब खान ने कहा, 'हमने कोच के कॉन्ट्रैक्ट में यह शर्त साफ तौर पर रखी है कि उनका ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान ही होगा।

हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट और युवा खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें।

नए कोच की रेस में तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें से दो कोच दक्षिण अफ्रीका के हैं और एक एशियाई है।ट्रॉट 2022 से टीम के कोच थे ट्रॉट ने 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना काम शुरू किया और अफगानिस्तान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, जिसमें आईसीसी प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ बड़ी जीत शामिल हैं। अफगानिस्तान 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में सेमीफाइनल तक पहुंचा, लेकिन इस साल ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया। क्रिकबज से बात करते हुए खान ने कहा कि,ष्टक्क चाहती है कि राष्ट्रीय टीम के कोच देश के घरेलू क्रिकेट सितारों पर करीब से नजर रखें और ऑफ-सीजन के दौरान राष्ट्रीय टीम की कमजोरियों पर काम करें।

व्यापार

पीएम किसान की 22वीं किस्त मार्च में आ सकती है 9 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हजार आएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के लिए अगली किस्त फरवरी के आखिरी हफ्ते से लेकर मार्च 2026 के बीच खाते में ट्रांसफर की जा सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इसकी आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

इस योजना के तहत छोटे और सीमांत किसानों को 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें साल में (कुल 6000 रुपए) दी जाती हैं। यह राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। ईकेवाईसी नहीं कराया तो अटक सकता है पैसा पोर्टल के मुताबिक, सभी पंजीकृत किसानों के लिए ईकेवाईसी कराना अनिवार्य है। अगर आपकी ईकेवाईसी पेंडिंग है, तो किस्त रुक सकती है। किसान खुद पीएम किसान पोर्टल पर जाकर ओटीपी के जरिए ईकेवाईसी कर सकते हैं या पास के कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर बायोमेट्रिक तरीके से इसे पूरा करवा सकते हैं।

नवंबर में आई थी 21वीं किस्त, अब अगली का इंतजार क्करू किसान योजना की 21वीं किस्त नवंबर 2025 में जारी की गई थी। नियम के मुताबिक, हर चार महीने के अंतराल पर ?2,000 की किस्त दी जाती है। इस हिसाब से अगली किस्त का समय फरवरी-मार्च 2026 बैठ रहा है।

क्करू किसान योजना 2019 में शुरू हुई थी क्करूयद्बह्यड्ढठ्ठ योजना फरवरी 2019 में शुरू हुई थी। इसके तहत पात्र किसानों को हर साल 6,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है, जो तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (ष्ठक्चञ्ज) के जरिए भेजी जाती है। अभी देशभर में 9 करोड़ से ज्यादा किसान इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।

किसानों की कम आय को बढ़ाना योजना का मुख्य मकसद इस योजना की शुरुआत छोटे किसानों की आय को बढ़ाने के लिए की गई है। इससे वे खेती में बेहतर निवेश कर सकें, बीज, खाद और मशीनें खरीद सकें, और परिवार की जरूरतें पूरी कर सकें। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार की योजना है, जिसमें सारा पैसा सरकार देती है।

आईडीएफसी फर्स्ट् बैंक में 590 करोड़ का फ्रॉड, कुछ कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार के खातों में गड़बड़ी की

आईडीएफसी फर्स्ट् बैंक की चंडीगढ़ स्थित एक ब्रांच में करीब 590 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बैंक ने खुद शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इस फ्रॉड में बैंक के ही कुछ कर्मचारी शामिल हैं।

मामला तब खुला जब हरियाणा सरकार के एक विभाग ने बैंक को कुछ संदिग्ध ट्रांजेक्शन को लेकर जानकारी दी। बैंक ने फिलहाल इस मामले में शामिल 4 संदिग्ध कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया है।

हरियाणा सरकार के खातों में हुई गड़बड़ी बैंक ने बताया कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह धोखाधड़ी चंडीगढ़ की एक विशेष शाखा में हरियाणा सरकार के कुछ खातों के साथ हुई है। बैंक के मुताबिक, अभी उन खातों के मिलान की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें करीब 590 करोड़ रुपए की राशि शामिल है। बैंक अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि यह गड़बड़ी कब से चल रही थी।

बाहरी लोगों के साथ मिलीभगत का शक

बैंक को संदेह है कि इस फर्जीवाड़े में बैंक कर्मचारियों के साथ कुछ बाहरी लोग या इकाइयां भी शामिल हो सकती हैं।बैंक ने आरबीआई को इसकी सूचना दे दी है और पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है।बैंक ने स्पष्ट किया है कि जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग दिया जाएगा ताकि इस धोखाधड़ी की सही से जांच हो सके।कर्मचारी सस्पेंड, फॉरेंसिक ऑडिट के आदेश गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक ने तुरंत एक्शन लेते हुए 4 संदिग्ध अधिकारियों को जांच पूरी होने तक सस्पेंड कर दिया है। बैंक ने कहा है कि वह दोषी कर्मचारियों और बाहरी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी से 'फॉरेंसिक ऑडिट' कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।बैंक ने बुलाई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग इस गंभीर मामले को देखते हुए बैंक की 'स्पेशल कमेटी फॉर मॉनिटरिंग फ्रॉड्स' की बैठक 20 फरवरी को बुलाई गई थी। इसके बाद 21 फरवरी को बैंक के ऑडिट कमेटी और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई, जिसमें इस धोखाधड़ी की जानकारी साझा की गई।

भारत ने बदली कच्चे तेल की रणनीति, प्रतिबंधों के बीच में सऊदी अरब को मिला फायदा, रूस से क्रूड फ्लो हुआ कम

नई दिल्ली। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक दबाव के बीच भारत ने कच्चे तेल आयात की अपनी रणनीति में संतुलित बदलाव शुरू किया है। हाल के आंकड़े बताते हैं कि सऊदी अरब फिर से भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में उभर रहा है, जबकि रूस से आने वाला तेल घटा है। यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है ताकि ऊर्जा सुरक्षा बनी रहे और रिफाइनरियों का काम प्रभावित न हो।1 से 18 फरवरी के बीच भारत का कुल कच्चा तेल आयात औसतन 48.5 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जनवरी के 52.5 लाख बैरल प्रतिदिन से करीब 8 प्रतिशत कम है। जहाजों के आंकड़ों के अनुसार रूस से आयात दिसंबर 2025 में 12.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। यह जनवरी में घटकर 12.2 लाख और फरवरी की शुरुआत में लगभग 10.9 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मार्च में यह 8 से 10 लाख बैरल प्रतिदिन के बीच रह सकता है।

यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल की खरीद बढ़ाई थी। एक समय रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया था और कुल आयात का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा दे रहा था। लेकिन अमेरिका और यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों के कारण अब रूसी तेल पर दबाव बढ़ गया है। भुगतान, शिपिंग और बीमा से जुड़ी दिक्कतों ने भी प्रवाह को प्रभावित किया है।

सऊदी की मजबूत वापसी

रूस से आयात घटने के बीच सऊदी अरब से आपूर्ति बढ़ी है। फरवरी में सऊदी से आयात 10 से 11 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच सकता है, जो नवंबर 2019 के बाद का उच्च स्तर है। मौजूदा रुझान के अनुसार फरवरी में सऊदी भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन सकता है। इसके बाद रूस और इराक का स्थान रहेगा।

लागत और विकल्प की चुनौती

विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी तेल कम होने से औसत लागत 2 से 3 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती है। वेनेजुएला से सीमित मात्रा में सस्ता तेल खरीदकर कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन वह रूस की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता।

अदाणी पोर्ट्स, एनएमडीसी और वेले ब्राजील मिलकर विकसित करेंगे 'आयरन ओर' के लिए एसईजेड आधारित इकोसिस्टम

अदाणी बंदरगाह और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एपीएसईजेड) ने अपनी सहायक कंपनी अदाणी गंगावरम पोर्ट लिमिटेड (एजीपीएल) के माध्यम से सरकारी कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड और वेले एस.ए. (वेले ब्राजील) के साथ एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

यह एमओयू भारत-ब्राजील बिजनेस फोरम शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित किया गया। इसके तहत गंगावरम पोर्ट पर आयरन ओर ब्लेंडिंग सुविधा और एक समर्पित विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के विकास के लिए रणनीतिक ढांचा तैयार किया जाएगा।समझौते पर ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा की आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी उपस्थित रहे, जो भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी के मजबूत होते संबंधों को दर्शाता है।

वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत करेगा ये समझौता

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि यह सहयोग वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए भविष्य-उन्मुख और लचीला बुनियादी ढांचा विकसित करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता वाले खनिज लॉजिस्टिक्स को उन्नत बंदरगाह क्षमताओं के साथ जोड़कर उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ देश की व्यापक आर्थिक वृद्धि में योगदान दिया जाएगा। इस सहयोग के तहत गंगावरम पोर्ट पर एक एकीकृत एसईजेड-आधारित इकोसिस्टम विकसित, संचालित और प्रबंधित किया जाएगा, जिसमें आयरन ओर की ब्लेंडिंग, वैल्यू एडिशन और व्यावसायीकरण शामिल होगा। इस पहल का उद्देश्य भारत के पूर्वी तट पर आयरन ओर निर्यात वैल्यू चेन को मजबूत करना और खनिज प्रसंस्करण एवं व्यापार में दक्षता, पैमाना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है।

मंत्री दिलीप जायसवाल ने ग्रेवल मार्ग का किया भूमिपूजन

अनूपपुर। कोतमा मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग दिलीप जायसवाल ने आज कोतमा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मैनटोला में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता कर मैनटोला से धनौलिया टोला तक बनने वाले ग्रेवल मार्ग का विधि-विधान से भूमि पूजन किया। मंत्री श्री जायसवाल ने कहाँ सड़क निर्माण से आवागमन सुगम होगा, ग्रामीणों को सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार गतिविधियों को नई गति मिलेगी। हमारा संकल्प है कि कोतमा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक बेहतर सड़क और मूलभूत सुविधाएं पहुंचें। क्षेत्र के विकास के लिए हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं।

62 दिनों से अनूपपुर जिले में ठहरे तीन हाथी,दिन में जंगल तो रात में गांव में पहुंचकर करते हैं तांडव

अनूपपुर। तीन हाथियों का समूह 62 दिनों से अनूपपुर जिले के अनूपपुर एवं जैतहरी क्षेत्र के इलाकों में निरंतर दिन के समय जंगल में बिताने बाद शाम रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं निरंतर ठहरे हाथियों की निगरानी एवं गतिविधि को देखने के लिए वाइल्ड लाइफ स्टूटेनट आंफ इन्डिया पश्चिम बंगाल के हाथी विशेषज्ञों का एक दल ने विगत दिनों हाथियों के स्वभाव का निरीक्षण कर आगे की रणनीति बनाए जाने की बात कही कई दिनों से तीनों हाथी एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग होकर धनगवां बीट के जंगल में ही ठहरे हुए हैं।

विदित है कि 62 दिनों से तीन हाथियों का समूह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र की सीमा को पार कर एक माह 6 दिन बाद 23 दिसंबर की रात एक बार फिर से मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिला अंतर्गत क्षेत्र के चोलना धनगवां इलाके में प्रवेश कर बचहाटौला, कुकुरगोंड़ा, पड़रिया के चोई के गोढाटोला, भलुवानटोला पडमनिया

टोला,ग्राम पंचायत क्योटार के कुशमुहाई गांव से लगे झंडीटोला, पलाडोल, पटौरा से टकहुली, चांदपुर, गुवारी से अमगवां सोनमौहरी होते हुए अनूपपुर क्षेत्र के सेंदुरी,बर्री, भगतबांध से सोन नदी पार कर सीतापुर, बरबसपुर, मैरटोला, भोलगढ़, पौड़ी, खांडा, मानपुर से एक रात को केशवाही वन परिक्षेत्र के रामपुर बीट अंतर्गत बैरिहा गांव में विचरण करते हुए फिर से विगत एक सप्ताह से अधिक समय से जैतहरी के धनगवां बीट अंतर्गत कुकुरगोंड़ा पंचायत के बेल्हाटोला,कोशमटोला,सरईहा ग्राम पंचायत पड़रिया के चोई गांव के भलुवान टोला,गोढाटोला,पडमनिया टोला ग्राम पंचायत क्योटार के ग्राम कुशुमहाई अंतर्गत झंडीटोला,पालाडोल पटौरा से लगे जंगल में दिन के समय जंगल के अंदर विश्राम करने बाद साम रात होते ही खाने की तलाश में ग्रामीण अंचलों में पहुंच रहे हैं जबकि एक दांत वाला नर हाथी अक्सर अकेले निकल कर शाम से पूरी रात विचरण करता है जबकि दो दो दांत वाले हाथी अलग होकर दिन एवं रात के समय अधिकतर दिनों से जंगल के अंदर ही दिन एवं रात के समय विचरण कर रहे हैं शुक्रवार एवं शनिवार की मध्य रात्रि एक दांत वाला नर हाथी पड़रिया पंचायत के चोई गांव से लगे भलुवान टोला गोढाटोला एवं पडमनिया टोला में पहुंचकर ग्रामीणों के खेतों में लगे फसलों को रात भर खाता रहा है हाथियों के निरंतर विचरण पर वन मंडलाधिकारी अनूपपुर के निर्देश पर वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के हाथी विशेषज्ञों का एक दल वन पर क्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा के साथ जैतहरी के धनगवां बीट में पहुंचकर हाथियों के विचरण एवं हाथियों के स्वभाव का निरीक्षण कर हाथियों के दल को जिले से बाहर किए जाने हेतु योजना बनाए जाने की बात कही है रविवार के दिन तीनों हाथी एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग हो कर धनगवां के जंगल में विश्राम एवं विचरण कर रहे हैं।

अमरकंटक के भुंडाकोना घाट जंगल में फिर दिखा बाघ का शावक

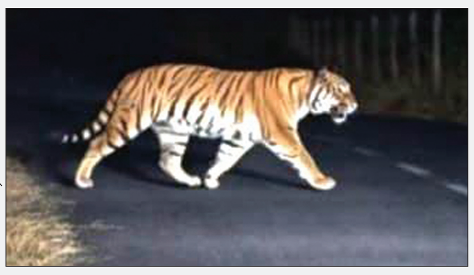

अनूपपुर/अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक से शहडोल मार्ग स्थित भुंडाकोना घाट जंगल क्षेत्र में 19-20 फरवरी 2026 की दरमियानी रात लगभग 12 से 1 बजे के बीच एक बाघ के शावक को देखे जाने की सूचना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फररी सेमर के दाहिने ओर के जंगल से निकलकर जालेश्वर की ओर, उमर गोहान दिशा में सड़क पार करते हुए एक शावक बाघ दिखाई दिया।

बताया गया है कि अमरकंटक नगर के वरिष्ठ पत्रकार धनंजय तिवारी के पुत्र अंजय तिवारी मनू अपनी पत्नी के साथ रात्रि में शहडोल से चौपहिया वाहन द्वारा घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनके वाहन के सामने से बाघ का शावक सड़क पार करता हुआ दिखाई दिया। अंजय तिवारी ने सावधानी बरतते हुए वाहन की गति धीमी कर दी और शावक को सुरक्षित जंगल की ओर जाते देखा। उस समय मार्ग पर अन्य कोई वाहन नहीं था। घटना की जानकारी अगले दिन वन विभाग के परिक्षेत्र कार्यालय को दी गई। अमरकंटक वन परिक्षेत्र अंतर्गत बाघ की मौजूदगी की सूचना परिक्षेत्राधिकारी वीरेंद्र श्रीवास्तव को भी दे दी गई है। उन्होंने मामले की जांच के निर्देश देते हुए आसपास के ग्रामवासियों एवं वन क्षेत्र के निवासियों से सतर्क रहने, जंगल क्षेत्र से दूरी बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की गतिविधि दिखने पर तत्काल सूचना देने की अपील की है।

मुस्कान बामने और सप्तऋषि घोष ने सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में एंट्री ली, हाई-इम्पैक्ट हिट-एंड-रन ट्विस्ट के बीच

मुंबई। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल अब और भी ज्यादा इमोशनल और ड्रामेटिक होने जा रहा है। शो में जल्द ही एंट्री लेने वाले हैं शनाया मेहता और उनके पिता, अरबपति वेंचर कैपिटलिस्ट शंतनु मेहता। इन अहम किरदारों को निभा रहे हैं मुस्कान बामने और सप्तऋषि घोष । शो की कहानी में अब पैसा और ताकत का टकराव होगा पुष्पा (करुणा पांडे) की वैल्यू-ड्रिवन दुनिया से, और यह टकराव होगा बिल्कुल अप्रत्याशित अंदाज़ में।

शनाया मेहता एक तेज़-तर्रार, अधिकार जताने वाली और भावनात्मक रूप से दूरी बनाए रखने वाली लड़की है, जो आलीशान जिंदगी में पली-बढ़ी है। बचपन में मां को खोने और पिता की भावनात्मक अनुपस्थिति ने उसे ऐसा बना दिया है। शंतनु मेहता, जो खुद से बने अरबपति 'शार्क' इन्वेस्टर हैं, उन्होंने अपनी बेटी को मौजूदगी की जगह सिर्फ़ सुविधा और ऐशो-आराम दिया। शनाया को हमेशा लगता रहा कि पैसा हर समस्या का हल है, लेकिन एक गंभीर हिट-एंड-रन हादसा उसकी सोच को हिला देता है। पिता-पुत्री के इस रिश्ते के ज़रिए शो बहुत संवेदनशीलता से दिखाएगा कि कैसे दौलत और ताकत असली जिम्मेदारी के सामने परखी जाती है।

शनाया का किरदार निभाने को लेकर मुस्कान बामने ने कहा, 'मुझे इस रोल में सबसे ज्यादा यह बात खींच लाई कि यह सिर्फ़ एक अमीर लड़की के पुष्पा की दुनिया में आने की कहानी नहीं है। यह ट्रैक एक ऐसा मोड़ है जो विशेषाधिकार और जिम्मेदारी पर सवाल उठाता है। शनाया बाहर से अहंकारी है लेकिन अंदर से बेहद अकेली। अचानक अपने कर्मों का बोझ उठाने को मजबूर होना उसके लिए चुनौतीपूर्ण है और मेरे लिए इसे निभाना बेहद संतोषजनक रहा। '

वहीं शंतनु मेहता का किरदार निभाने पर सप्तऋषि घोष ने कहा, 'शंतनु ऐसा इंसान है जो बड़े-बड़े डील्स बिना झिझक के कर सकता है, लेकिन अपनी बेटी से ईमानदारी से बात करने में संघर्ष करता है। यही उसका विरोधाभास है। उसे लगता है कि उसने हमेशा अपनी बेटी की रक्षा की है, लेकिन जब संकट आता है तो उसे एहसास होता है कि हर चीज़ को प्रभाव से नहीं सुलझाया जा सकता। ताकत और बेबसी के इस टकराव को निभाना मेरे लिए बेहद परतदार अनुभव रहा। 'देखिए पुष्पा इम्पॉसिबल, हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, सिर्फ़ सोनी सब पर।

विशाल भंडारे के साथ शिव पुराण महा कथा का समापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। ग्राम नगेला रजौधा में आयोजित श्रीमद् शिव महापुराण की कथा में आज पंडित रामसेवक शास्त्री जी ने भगवान शिव जी की महिमा तथा शिवाजी को खुश करने के बारे में विस्तार से बताया तथा रुद्राक्ष धारण करने रुद्राक्ष से मिलने वाले फायदे के बारे में विस्तार से बताया बाद में विशाल भंडारे के साथ शिव पुराण कथा आज संपन्न हुई इसमें क्षेत्र की ज्यादातर ग्रामीणों ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की।

विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

ग्राम नगेला रजौधा में आयोजित श्रीमद् शिव महापुराण कथा का समापन आज भक्ति और उल्लास के वातावरण में हुआ। कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र का वातावरण 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गुंजायमान रहा।

श्री शास्त्री जी ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने अपने प्रवचनों में बताया कि भगवान शिव अत्यंत सरल और भोले हैं, वे सच्ची श्रद्धा और निष्काम भक्ति से शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उन्होंने शिवजी को प्रसन्न करने के उपायों पर प्रकाश डालते हुए नियमित रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जप, बिल्वपत्र अर्पण और सात्विक जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया।

अनूपपुर वन मण्डल में तीन दिनों में 413 गिद्धों की हुई गणना दौरान रहवास की पहचान

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। अनूपपुर वन मंडल में 20,21 एवं 22 फरवरी को तीन दिवसीय गिद्ध गणना दौरान अनुपातिक तौर पर 413 गिद्धों का प्रत्यक्ष दर्शन एवं 123 गिद्धों की घोसला तथा 15 निष्क्रिय गिद्धों के घोंसला गणना के दौरान मिले हैं।

विदित है कि गिद्ध प्रकृति का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी पक्षी है,जिसे पर्यावरण का सफाईकर्मी भी कहा जाता है। यह मुख्य रूप से मृत जानवरों का मांस खा कर वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते है। गिद्ध की नजर बहुत तेज होती है और यह आसमान में ऊंचाई पर उड़ते हुए कई किलोमीटर दूर से भी मृत जानवर के शव को देख लेता है। इसके पंख लंबे और मजबूत होते हैं जिससे यह घंटों तक बिना ज्यादा ऊर्जा खर्च किए उड़ सकता है। जिले में गिद्धों की संख्या में पिछले एक दशक पहले काफी गिरावट आ गई थी। सरकार अब इनकी संख्या पता करने के लिए हर वर्ष गणना करा रहा है। तीन दिवसीय गणना शुक्रवार से शुरू हुई है। जिले के अनूपपुर और अहिरगवां वन परिक्षेत्र में मुख्य रूप से गिद्ध पाए जाते हैं। तीन दिवसीय गणना के दौरान कुल 413 गिद्धों की पहचान

अनुपातिक तौर पर पाई गई। सबसे अधिक अहिरगवां वनपरिक्षेत्र में गिद्ध मिले हैं। जानकारी अनुसार वन परिक्षेत्र में पहले दिन 83 और दूसरे दिन शनिवार को 62 गिद्ध, रविवार को 95 दिखाई दिए किरर और औढ़ेरा और बड़हर बीट के जंगलों में पाए गए हैं। अनूपपुर रेंज में भारतीय देसी गिद्ध औरसफेद गिद्ध सफेद गिद्ध मिले हैं। दो दिवसीय गणना के दौरान 50 सक्रिय घोसलों की भी खोज वन विभाग द्वारा की गई है। इसी तरह वन परिक्षेत्र अहिरगवां में जुगवारी, कठौतिया पूर्व और कठौतिया पश्चिम बीट में मिले हैं। शुक्रवार को तीनों बीट में 263 और शनिवार को 328 रविवार को 307 गिद्ध खोजे गए गिद्ध सफेद, देसी गिद्ध और लांग विल्ड प्रजाति के हैं। तीनों बीट क्षेत्र में कुल 123 घोसला भी खोजे गए हैं जहां यह गिद्ध रहते हैं तीन देसी गणना के दौरान वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम के पटना बीट अंतर्गत नौगवा गांव के राजस्व क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक गिद्ध मृत मवेशी के मांस को खाता दिखा जबकि गणना के बाद ग्रामीणों ने मृत मवेशी के पास सात आठ गिद्ध मांस को खाते देखा यह क्षेत्र पड़ोस में वन परिक्षेत्र अनूपपुर के बडहर बीट अंतर्गत जंगल से उड़कर मृत मवेशी के शव को देख कर मांस खाने के उद्देश्य आते रहते हैं। इस वर्ष की गणना से क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। वनमंडल में 3 प्रजातियों के गिद्ध दर्ज किए गए, जिनमें इंडियन (लान्ग-बिल्ड) गिद्ध, इजिप्शियन (सफेद/व्हाइट स्कैवेंजर) गिद्ध और व्हाइट-रम्प्ड गिद्ध गिद्ध शामिल हैं। इनमें इजिप्शियन गिद्धों की संख्या सर्वाधिक पाई गई। सुबह सूरज की किरणें निकलने के साथ ही गिद्ध सूर्य की रोशनी से अपने शरीर को गर्म करने के लिए घोषलो से निकल कर चट्टानों या पेड़ों में बैठते हैं इसी दौरान ही गिद्धों की गणना का कार्य शुरू हो जाता है जो सुबह 6 बजे से 9 बजे तक चलता है। गणना के सारे आंकड़े एक ऐप के जरिए फोटो खींचकर गणना कर में संलग्न वन कर्मचारियों द्वारा दर्ज की जाती है। अनूपपुर वन परिक्षेत्र में गिद्ध के घोसले ज्यादातर पहाड़ पर और अहिरगवां रेंज में चट्टान एवं पेड़ पर दिखाई दिए हैं। आज रविवार को प्रथम चरण का यह गणना कर पूरा हो गया इसके साथ ही गिद्धों की वास्तविक जानकारी निकलकर सामने आयी। संभावना जताई गई है कि पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष से गिद्ध की संख्या अधिक बढी है।

नेत्रहीन युवा शिरीष नामदेव की अमरकंटक के रामघाट में स्नान के दौरान डूबने से हुई मृत्यु

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/अमरकंटक। मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के पावन सलिला नर्मदा नदी के उत्तर तट रामघाट में जबलपुर के शासकीय राज अपंग संस्थान में अध्यनरत 25 वर्षीय नेत्रहीन युवा शिरीष नामदेव की स्नान के दौरान डूबने से असमय मृत्यु हो गई । शिरीष नामदेव अपने अन्य साथियों के साथ रामघाट में नर्मदा नदी में स्नान कर रहा था इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया जिसे अन्य नहा रहे साथी नहीं देख पाए क्योंकि सभी साथी भी उसी की तरह नेत्रहीन है 45 और साथ पढ़ने वाले नर्मदा दर्शन एवं पर्यटन के लिए पवित्र नगरी अमरकंटक आए हुए थे इसके साथ ही 24 छात्राएं जो कि नेत्रहीन है निजी संस्थान से अध्यनरत है साथ ही आए हुए थे लगभग 86 छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं कर्मचारियों का शासकीय एवं अशासकीय अपंग संस्थान के नर्मदा नदी के रामघाट में स्नान कर रहे थे इसी दौरान शिरीष

नामदेव पिता राज नारायण नामदेव उम्र 25 वर्ष जो की एम ए जबलपुर में रहकर अध्ययन कर रहा था नर्मदा नदी में डूबने से असमय मृत्यु हो गई जो पास ही अन्य साथी गण स्नान कर रहे थे पास में शिरीष नामदेव का स्नान के दौरान रखा समान देख कर तलाश करने लगे जब बहुत देर तक नहीं मिला तो उन्हें नदी में डूबने की आशंका हुई उक्त घटना दोपहर लगभग 1: बजे की है । मृतक रीवा का रहने वाला है घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है । घटना की सूचना स्थानीय पुलिस थाना अमरकंटक को दी गई पुलिस अमरकंटक ने स्थानीय गोताखोरों को लगाकर नदी से मृतक का शव निकाला गया। युवा होनहार और शिरीष नामदेव का शव लगभग डेढ़ घंटे बाद निकाला जा सका । नगर परिषद अमरकंटक वार्ड क्रमांक 8 कपिल संगम निवासी कृष्ण चौहान ने काफी मशक्कत के बाद मृतक का शव नदी से निकला । इसके पूर्व होमगार्ड जवान भगवत सिंह ,मनमोहन राठौर तथा जलगांव महाराष्ट्र से आए युवक ने काफी खोजबीन की। स्थानीय पुलिस थाना अमरकंटक में मृतक के नर्मदा नदी में डूबने की घटना पर मर्ग कायम कर प्रकरण विवेचना में लिया है इसके पूर्व प्रधान आरक्षक पूरन सिंह कृष्णा सिंह राजावत एवं अमलेश बघेल नर्मदा नदी के रामघाट तट पर मौजूद रहे। पुलिस थाना अमरकंटक नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी, उप निरीक्षक पी एस बघेल, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव मौजूद रहे अमरकंटक हल्का पटवारी अश्विनी तिवारी तथा तहसीलदार ज्ञान दास पनिका ने भी संपूर्ण घटना की जानकारी ली । कृष्ण चौहान ने अथक परिश्रम कर नर्मदा नदी से मृतक का शव निकला।

फुनगा चौकी पुलिस द्वारा बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब तस्कारों के विरुद्ध की गयी बड़ी कार्यवाही

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे,अति.पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं अनु अधि. कोतमा के उचित मार्ग दर्शन में चौकी फुनगा पुलिस द्वारा दिनांक 21/02/26 को 19.30 बजे जरिये विश्वसनीय मुखबिर के सूचना प्राप्त कर ग्राम पाली सिटका टोला के मौहार में बेयर हाउस के पीछे कुछ लोग अवैध शराब लेकर आने की सूचना की तसदीक पर हमराही स्टाफ एवं स्वतंत्र साक्षियों के ड्रैगन लाइट सहित तसदीक किया गया तो मुखबिर सूचना सही पायी गयी एवं मौहार जंगल में अवैध शराब का परिवहन करने वाले पुलिस को देखकर तथा शराब को छोड़कर एवं परिवहन करने बालो की एक अदद

मोटरसाइकिल tvs raider क्र. CG 31 B 8019 को छोड़कर अंधेरे का लाभ लेकर भाग गये जंगल में कुल 11 पेटी विदेशी मदिरा जिसकी मात्रा 96.480 लीटर कुल कीमती करीब 91500 रुपय की एवं मोटरसाइकिल कीमती 80000 रुपये कुल कीमती 171500 रुपय का मशरूका समक्ष गवाहो के मौके पर जप्त कर अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध सदर पंजीवद्ध कर विवेचना में लिया गया । उपरोक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी फुनगा उप.निरी. सोने सिंह परस्ते,अमन दुबे, पंकज मिश्रा साइबर सेल की अहम भूमिका रही ।

डिजिटल अरेस्ट कानूनी सम्प्रभुता का हनन,सतर्क रहें

- दिनेश चन्द सागर -

भारत का संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की स्वतंत्रता का रक्षक है। 'डिजिटल अरेस्ट' की प्रक्रिया इस सुरक्षा चक्र पर सीधा प्रहार करती है:

अनुच्छेद 21 (जीवन और दैहिक स्वतंत्रता): यह मौलिक अधिकार घोषणा करता है कि किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से 'कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया' के बिना वंचित नहीं किया जाएगा। डिजिटल अरेस्ट कोई 'स्थापित प्रक्रिया' नहीं है, बल्कि एक अवैध बंधक स्थिति है।

अनुच्छेद 22 (परामर्श और बचाव का अधिकार): यह अनुच्छेद स्पष्ट करता है कि प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति को अपनी पसंद के विधिक व्यवसायी (Advocate) से परामर्श करने और बचाव करने का अधिकार है।

कानूनी वास्तविकता: 'डिजिटल अरेस्ट' के दौरान अपराधी पीड़ित को डराते हैं कि वे किसी को फोन न करें। यह सीधे तौर पर अनुच्छेद 22 का उल्लंघन है। कोई भी वैध जांच एजेंसी आपको वकील से बात करने से नहीं रोक सकती।

24 घंटे की अनिवार्यता : डिजिटल अरेस्ट का कोई कानून या प्रावधान नहीं है,संवैधानिक अधिदेश है कि गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाना चाहिए।

वीडियो कॉल के माध्यम से घंटों या दिनों तक कैमरे के सामने बैठना 'अवैध हिरासत' (Illegal Detention) है, जो बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas Corpus) की रिट के तहत दंडनीय है।

संघीय ढांचे की बाधाओं को हटाते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे अंतर-राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय अपराधों के लिए CBI को राज्यों की सामान्य सहमति (General Consent) की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता नहीं है।

एल्गोरिथमिक सतर्कता (Algorithmic Vigilance): RBI को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि बैंकिंग प्रणाली में 'रियल-टाइम' मॉनिटरिंग हो।

यदि कोई राशि संदिग्ध रूप से स्थानांतरित होती है, तो 'एआई-आधारित एल्गोरिदम' उसे तत्काल फ्रीज कर दे, जिससे 'म्यूल अकाउंट्स' (Mule Accounts) का उपयोग करना असंभव हो जाए।

संस्थागत जवाबदेही: न्यायालय ने चेतावनी दी है कि बैंक अधिकारियों की भूमिका केवल 'केवाईसी' (KYC) तक सीमित नहीं है। यदि वे आपराधिक लापरवाही के दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (Prevention of Corruption Act) के तहत सह-अभियुक्त बनाया जा सकता है।

'वर्चुअल' डर से कैसे लड़ें? एक विशेषज्ञ की सलाह

एक अनुभवी अधिवक्ता और पूर्व पुलिस महानिदेशक के रूप में, मैं नागरिकों को इस 'तकनीकी मायाजाल' को तोड़ने के लिए निम्नलिखित सूत्र देता हूँ:

वित्तीय रेड फ्लैग (Red Flag): **PMLA** (धन शोधन निवारण अधिनियम) या कोई भी अन्य कानून किसी अधिकारी को यह अधिकार नहीं देता कि वह फोन पर किसी से पैसे मांगे।

याद रखें: सरकारी खजाना (Government Treasury) कभी भी व्हाट्सएप या आरटीजीएस के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से पैसा स्वीकार नहीं करता।

प्रक्रिया की पवित्रता: आधिकारिक जांच एजेंसियां (CBI/ED/NCB) कभी भी व्हाट्सएप वीडियो कॉल पर 'जांच' शुरू नहीं करतीं। वे धारा 160 CrPC (अब BNSS) के तहत लिखित सम्मन (Summons) जारी करती हैं। यदि कोई कॉल पर आपको 'म्यूट' रहने या कैमरा बंद न करने को कहे, तो समझ लें कि वह अपराधी है।

कानूनी सूक्ति का पालन: 'Vigilantibus non dormientibus iura subveniunt '– अर्थात कानून केवल उन्हीं की रक्षा करता है जो अपने अधिकारों के प्रति सतर्क हैं।

समावेशी सुरक्षा: समाज के हर वर्ग के लिए संदेश

यह लेख केवल शिक्षित वर्ग के लिए नहीं, बल्कि उन बुजुर्गों, गृहिणियों और युवाओं के लिए भी है जो तकनीक के इस दौर में सबसे अधिक असुरक्षित (Vulnerable) हैं:

बुजुर्गों के लिए: यदि कोई डराए, तो फोन काटें और तुरंत अपने बच्चों या पड़ोसियों को बताएं।

युवाओं के लिए: अपने परिवार के बड़े-बुजुर्गों को इस 'डिजिटल अरेस्ट' के बारे में जागरूक करें।

नागरिकों के लिए: साइबर हेल्पलाइन 1930 आपका सबसे बड़ा हथियार है।

निष्कर्ष

'डिजिटल अरेस्ट' कोई कानून नहीं बल्कि साइबर फ्राड है ,ठगी करने वाले गिरोह का तकनीक द्वारा निर्मित एक मानसिक कारागार है। हमें समाज के हर नागरिक तक यह संदेश पहुँचाना है कि कानून और संविधान की दीवारें किसी भी 'वर्चुअल कैमरे' से कहीं अधिक ऊँची और मजबूत हैं। हम एक ऐसी विधिक व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ तकनीक अपराधियों को बचाने के बजाय उन्हें पकड़ने का माध्यम बनेगी। सतर्क रहें, संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करें और 'वर्चुअल' भय को परास्त करें।

स्काउट गाइड ने व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में दिया अपना सहयोग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। करुआ ग्राम स्थित स्टेडियम में व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह प्रेरणादायक प्रतियोगिता दिव्यांग खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन, आत्मविश्वास वृद्धि एवं समाज में समावेशिता के संदेश को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में भारत स्काउट्स और गाइड्स जिला संघ मुरैना के स्काउट-गाइड, रोवर-रेंजर एवं स्काउटर-गाइडर द्वारा सम्पूर्ण सहयोग एवं सेवाएँ प्रदान की गई। स्काउट-गाइड दल ने यातायात व्यवस्था, अनुशासन बनाए रखने, खिलाड़ियों के मार्गदर्शन, पेयजल वितरण, प्राथमिक उपचार सहायता तथा अतिथियों के स्वागत एवं व्यवस्था संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी सेवाभावना एवं अनुशासन ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रतियोगिता का समापन 22 फरवरी 2026 को गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर लोकेश कुमार जांगेड़ रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल व्यक्ति के जीवन में अनुशासन, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा दिव्यांग खिलाड़ी अपनी प्रतिभा से समाज को नई दिशा दे रहे हैं।

यह प्रतियोगिता राठी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम के संयोजक विवेक राठी, प्रांजल राठी एवं ऋतु राठी का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन रहा। आयोजन समिति एवं स्काउट-गाइड द्वारा खिलाड़ियों के लिए समुचित व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं।

प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। फाइनल मैच मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के मध्य खेला गया, जिसमें उत्तर प्रदेश की टीम विजयी रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को मुख्य अतिथि कलेक्टर लोकेश कुमार जांगेड़ द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। दर्शकों एवं ग्रामीणजनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया।

अंत में आयोजकों द्वारा मुख्य अतिथि, खिलाड़ियों, स्काउट-गाइड दल, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

जैन मिलन कार्यकारिणी का गठन: ओ.पी. जैन अध्यक्ष, मितुल जैन महामंत्री बने

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। रविवार को ओ.पी. जैन के निवास पर जैन मिलन की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक राजेश जैन (ग्वालियर) के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस अवसर पर अशोक कुमार जैन (एडवोकेट) एवं महेश चंद्र जैन (एमपीईबी) सहित समाज के कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक का उद्देश्य जैन समाज को संगठित, सक्रिय और सेवा कार्यों में अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस पहल करना था। चर्चा के दौरान समाज में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने तथा जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए संगठित प्रयास करने पर विशेष जोर दिया गया।

सर्वसम्मति से गठित नई कार्यकारिणी में ओ.पी. जैन को अध्यक्ष, मितुल जैन (शाहबजाज) को महामंत्री तथा राजकुमार जैन को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्यों में शुभम जैन, सम्मेद जैन, सुजल जैन, रितिक जैन, मयंक जैन (मोन्टी), आकाश जैन ज्वैलर्स, संजू जैन (साड़ी वाले) एवं संजय जैन (इन्वर्टर वाले) को शामिल किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए राजेश जैन ने कहा कि जैन मिलन ग्रुप का मूल उद्देश्य समाज में एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से धार्मिक संस्कारों का प्रचार-प्रसार, सामाजिक समरसता, शिक्षा प्रोत्साहन, स्वास्थ्य सहायता और सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को आगे आकर नेतृत्व करने और समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि सभी पदाधिकारी और सदस्य मिलकर पारदर्शिता, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करेंगे तो जैन मिलन अंबाह में समाज सेवा का सशक्त मंच बन सकता है। संगठन केवल नाम मात्र का न रहे, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर वास्तविक सहयोग प्रदान करे, यही इसकी सफलता होगी।

बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आयोजित करेंगे तथा जैन मिलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

जिला काँग्रेस सेवादल ने ध्वज वंदन किया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। भारतीय कॉंग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी देसाई, कॉंग्रेस सेवादल के प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा के निर्देश तथा कॉंग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव के आदेश पर जिला कॉंग्रेस सेवादल के अध्यक्ष प्रदीप रजक के नेतृत्व में ध्वज वंदन कार्यक्रम किया गया। मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस मुरैना के कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र यादव राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया एवं सलामी दी गई। उन्होंने बताया कि रविवार के अंतिम रविवार को ध्वज बंधन कार्यक्रम किया जाएगा। हर रविवार को रवि मिलन और प्रभात फेरी निकल जाएगी रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता विक्रम राज मुदगल, राजकुमार पाठक, नरोत्तम माहौर, राजेश राठौर, वकील जाटव, सुभाष माहौर, राजवीर यादव, जितेंद्र राजोरिया, उम्मेद पठान, उदय त्रिपाठी, बालवीर दोनोरिया, भैरव बघेल, महेश खुराना, महेंद्र महेश्वरी, दिलीप रजक, राज रजक, नीलेश चतुर्वेदी कांग्रेस सेवादल कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

योग करने से शरीर रहता है स्वस्थ: सुनील शर्मा

मानपुर में एनएसएस शिविर का पांचवा दिन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है। नियमित योग करेंगे तो बीमारियां शरीर से दूर रहेंगी। ऐसा कहना था योगाचार्य सुनील शर्मा का। 22 फरवरी को जवाहर नवोदय विद्यालय के तत्वावधान में मानपुर गांव में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के पांचवें दिन मुख्य अतिथि योगाचार्य सुनील शर्मा ने स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं कपालभाति, भ्रामरी सहित विभिन्न तरह के योगासन बताए गए एवं यह भी कहा कि स्वस्थ रहेंगे तभी समाज और देश की सेवा कर पाएंगे। इसलिए नियमित रूप से योग करना आवश्यक है। श्री शर्मा का बच्चों से यह भी कहना था कि योग करने से बड़ी से बड़ी बीमारियां ठीक हो जाती हैं। शरीर पूरी तरह से स्वस्थ बना रहता है। कार्यक्रम के प्रभारी रामलखन याज्ञिक ने भी बच्चों को स्वस्थ शरीर बनाए रखने को लेकर कई महत्वपूर्ण टिप्स दिए। इस एनएसएस के शिविर के दौरान बच्चों द्वारा ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के यहां जाकर रहन-सहन के तरीका भी देखें एवं महिलाओं को जल संरक्षण पॉलीथिन प्लास्टिक मुक्त अभियान की भी जानकारी दी गई। बच्चों द्वारा यह भी बताया कि जल संरक्षण भी जरूरी है। पानी की एक-एक बूंद महत्वपूर्ण है, इसलिए पानी का बचाव करें। शिविर के दौरान बच्चों द्वारा अपने हाथों से ही खाना भी बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति से संबंधित प्रश्नोत्तरी भी बालक और बालिकाओं के बीच कराई गई। शिविर के पांचवें दिन रेशमा दिवाकर, माही गुप्ता, चतुर सिंह, जगन्नाथ प्रसाद सहित अन्य ग्रामीण शिक्षक भी उपस्थित रहे।

12 दिवसीय घरेलू अगरबत्ती एवं धूपबत्ती प्रशिक्षण सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। सेंट आरसेटी मुरैना द्वारा जनपद मुरैना के ग्राम रसीलपुर में आयोजित 12 दिवसीय घरेलू अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण बैच का मूल्यांकन श्री ए.के. शर्मा एवं श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा किया गया। समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक भगवान सिंह ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की तथा उन्हें प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए स्व-रोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यालय सहायक दीपक शाक्य एवं अटेंडर घनश्याम जाटव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण का लाभ उठाया। भविष्य में स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अहंभाव निवृत बिना उपदेश की गंगा का अवतरण कैसे: सत्य प्रकाश महाराज

डॉ. अनिल जैन भिंड ने दिया 10000 रुपए का दान, -न्यास की बिटिया के विवाह पर हनुमान जी की भेट, साड़ी सुहाग का सामान, चांदी के बिछिया, 21000 रुपए पहुंचाए, -पं. प्रोफेसर रामअवतार शर्मा परमात्मा के दिन स्वरूप के सच्चे सेवक थे

मुरैना। आज दिनांक 22 फरवरी 2026 को मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में प्रभु श्री सीताराम जी की पूजा अर्चना, रामचरित मानस का पाठ, एवं विनय पत्रिका एवं भक्तमाल की कथा हुई इसके साथ ही 267 मरीजो ने अपना परीक्षण करा के उपचार कराया, विषय बार मरीजों की संख्या इस प्रकार रही -दन्त रोग 81 स्वः जगदीश प्रसाद गुप्ता मेडिसिन कक्ष में 80, नाक, कान, गला 36, सर्जरी 40, अस्थि रोग 51, नैत्र रोग 29, त्वचा 18 अन्य उक्त शिविर में विशेष रूप से निम्न कार्य सम्पादित किये गए -दांतों के सेट0, ब्लड प्रेसर की जाँच 46, ई.सी.जी 1, इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तहत तम्बाखू, बीड़ी, सिगरेट, शराब से ग्रसित मरीज 25, नशा छोड़ने का संकल्प लिया 18, फिजियोथेरेपी मशीन से उपचार 32, एम्स में पंजीयन1 इसके अलावा स्व. अंकित जैन स्मृति दन्त चिकित्सा कक्ष मे- दांत शल्य क्रिया53, अल्ट्रासोनिक मशीन से पायिरिया का इलाज 24, परमार्थ न्यास में आँखों की डिजिटल जांच की सुविधा स्व. प्रकाश शर्मा स्मृति कक्ष मे प्रारंभ हुई जिसमे- आँखों की जाँच 16 एवं इलेक्ट्रिकल लैंप के माध्यम से चश्मे का नंबर प्रदान किये, निष्काम भाव से सेवको ने सेवा की। डॉ एस.के.शर्मा, डॉ बी.एल. राजपूत, डॉ. माधवी मुदगल, डॉ मुकुल सिंघल, डॉ. दीपक बंसल, डॉ राजेश सिकरवार, प्रदीप शर्मा, कस्तूरी, गुड्डी, गुड्डी राठौर, सलोनी, ममता, अंजलि, शीतल, राजश्री, अंगूरी, रामबाई, लक्ष्मी, प्रेमा, नारायणी, माया, गोपिका, रमकलि, ओमवती, मनीराम, मयूर अग्रवाल, रमेश बाउजी, श्याम, अभिषेक, भगवान शर्मा, गौरव, पुरुषोत्तम, हाकिम, गिरिराज, दौलतराम, पप्पू, रामचरण, घिर, अरुण, रामवीर ने निःशुल्क सेवाए प्रदान की।

प्रत्येक रविवार की तरह सभी समाजसेवियो ने अपनी सेवाये परमार्थ न्यास में यथावत प्रदान की। भगवान स्वरूप में पधारे हुये सभी मरीजों ने अपना ईलाज कराया। परमार्थ न्यास में प्रत्येक रविवार की तरह सभी सेवकों ने उपस्थित होकर पूजा पाठ रामचरितमानस पाठ भकात्मल कथा विनय के पद रामरक्षा स्त्रोत का पाठ आरती एवं संकीर्तन किया एवं श्रवण लाभ लिया।

परमार्थ शिविर में 267 मरीज और 42 सेवक हुए उपस्थित

आज परमार्थ न्यास में सत्य प्रकाश महाराज जी पधारे आपने यहाँ पूजा में शामिल होकर रामचरित मानस पाठ भक्तमाल कथा रामरक्षास्तोत्र पाठ का श्रवण किया तथा परमार्थ न्यास के सभी सेवकों द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा का स्वरूप देखकर हृदय से प्रसन्नता प्रकट करते हुए साथ ही सभी सेवकों को दी शुभकामनाएं एवं एवं साधुवाद देते हुए कहा कि यदि मनुष्यको आत्मनिरीक्षण द्वारा अपनी गलती समझ में आने लगे तो समझना चाहिए कि अब उसका सौभाग्य-सूर्य उदय होने वाला है और मार्ग मिलने में विलम्ब नहीं है। धर्म की स्थिति यह है कि उसका निवास छाती पर, वक्षःस्थल पर रहता है। इसी तरह अधर्म का निवास पीठ पर है। यह पौराणिक व्यवस्था है। मनुष्य को अपना अधर्म नहीं दीखता, किन्तु धर्म दीखता है। अधर्म दीखना, गलती मालूम पड़ना बड़ा कठिन है। अर्जुन को स्पष्ट मालूम पड़ता है कि मेरे अन्दर अज्ञान आ गया है। और धर्म के सम्बन्ध में मेरा ज्ञान भटक गया है। हम कभी ऐसा अन्तर्निरीक्षण करते हैं? नहीं करते हैं तो करना चाहिए। यही मानवता है, मानव धर्म है। यदि आत्म निरीक्षण करने पर भी आपकी समझ में कर्त्तव्याकर्त्तव्य न आता हो तो जो आपसे बड़े हैं, उनकी सलाह लीजिये, उनसे पूछिये, वे आपको बतायेंगे।

इसीलिए अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं-'जो मेरे लिए श्रेयस्कर हो, वह मुझे बताइये। इस प्रकार अपने बड़े-बूढ़ों की सलाह लेना, उनके बताये रास्ते पर चलना, उन्होंने इतने वर्षों तक जो संसार का अनुभव प्राप्त किया है, उससे लाभ उठाना मनुष्यका धर्म है। अब देखो, उपदेश की बात! उपदेश ग्रहण करनेके लिए भी एक योग्यता चाहिए! अर्जुन कहता है-मैं तुम्हारी शरण में हूँ, मैं तुम्हारा शिष्य हूँ। मुझे अनुशिष्ट बनाओ। जिससे शिक्षा लेनी हो, उससे थोड़ा छोटा होना पड़ता है।

परन्तु केवल मन या वाणी से गुरु या बड़े-बूढ़ों की शरण में जाने पर भी पुराने संस्कार सहसा मिट नहीं जाते, पहले का निश्चय तुरन्त कट नहीं जाता। उसके लिए समझने-समझाने की जरूरत पड़ती है। इसका उदाहरण अर्जुन के प्रसंग में देख लो। उसने एक बार तो कहा कि मैं आपकी शरण में हूँ किन्तु दूसरी बार यह बोलता है कि मैं लड़ूंगा नहीं। यह तो उपहास के योग्य शरणागति है। तो जब तक अहंभाव का निवारण नहीं होगा, तब तक उपदेश की गङ्गा का अवतरण कैसे होगा। स्वर्गीय पंडित प्रोफेसर रामावतार शर्मा जी दिव्य पुरुष थे परमार्थ न्यास के संरक्षक थे मानस उन्हें कंठस्थ था वे ईश्वरीय पूजा को नहीं उनके चराचर में सभी स्वरूपों की सेवा को ही पूजा मानते थे डॉ संजय शर्मा सहित सभी सेवकों पर उनका विशेष स्नेह था वे अभी भी न्यास पर अपनी करुणा की बरसात करते रहेंगे

आज मेजर रामकुमार शर्मा परमार्थ न्यास में मैने देखा कि समस्त सेवक जिस उदार भाव व वाणी से सेवा करते हैं उसे देखकर मैं हृदय से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ एवं जन मानस से आग्रह करता हूँ कि यहाँ प्रभु के दीन स्वरूप की सच्ची सेवा का लाभ ले। मैं सभी को आशीष, शुभकामनाएं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि परमार्थ न्यास के सभी सेवकों में जन मानस की सेवा सत्कर्म का भाव सदैव इसी प्रकार बना रहे। और यह सेवा सत्कर्म निरंतर चलता रहे।

सद्भावना जन सेवा समिति का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष की सद्भावना जन सेवा समिति का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह जगदंबा पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूपल शरण एम मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी मुरैना विशेष अतिथि में अशोक कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि में श्रीमती कामिनी अग्रवाल अध्यक्षता श्रीमती संध्या सुरभि अग्रवाल द्वारा किया गया। सर्वप्रथम गणेश जी की प्रतिमा पर दीप जलाकर मालार्पण कार्य क्रम की शुरुआत में गणेश वंदना करते हुए अतिथियों का स्वागत डॉ. अनार सिंह जादौन द्वारा अपनी मधुर वाणी से सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम में उपस्थित रामनिवास त्यागी, बनवारी लाल कुशवाहा, प्रभात दंडोतिया, गिर्राज शर्मा, सनी गोयनर, धर्मेंद्र सिंह कुशवाहा, कृपाल सिंह परमार, कपिल शर्मा, नरेश गुप्ता, नीरज मोदी द्वारा बच्चों के गेम खिलाए गए। नए सदस्यों का सम्मान किया गया एवं जिनके द्वारा संस्था में सदस्य बनाए गए उनका भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख तीन ईनाम रखी गई, जिसमें सबसे प्रथम फ्रिज जो नीरज अग्रवाल नीरज कुमार खाता क्रमांक 16, दूसरी ईनाम वॉशिंग मशीन इनका खाता क्रमांक 48 हर्षित अग्रवाल, तीसरी ईनाम प्रदीप मंगल मिक्सी खाता क्रमांक 72 पर एक छोटी बच्ची द्वारा कूपन उठाए गए उसमें यह नाम निकाली गई। कार्यक्रम में सभी उपस्थित महानुभावों एवं घर परिवार के सदस्यों नाश्ता एवं सुरिचि भोजन उपरांत आभार अनूप गर्ग सद्भावना जन सेवा समिति के अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि मुख्य अतिथि सदस्य पदाधिकारी एवं उनके परिवार जिनके द्वारा संस्था का सहयोग किया उनका आभार प्रगट किया।

स्काउट गाइड ने मनाया विश्व चिंतन दिवस

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। भारत स्काउट्स और गाइड्स मध्यप्रदेश, जिला संघ - मुरैना के जिला सचिव शेखर सिंह यादव द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 22 फरवरी को स्थापना दिवस (बी.पी. डे) एवं विश्व चिंतन दिवस जिला संघ मुरैना, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित कार्यालय पर बड़े उत्साह, गरिमा एवं स्काउट भावना के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः ध्वजारोहण, स्काउट-गाइड प्रार्थना एवं ध्येय वाक्य के साथ हुआ। पूर्ण गणवेश में उपस्थित स्काउट्स एवं गाइड्स ने संस्थापक Lord Robert Baden-Powell एवं Lady Baden-Powell के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा स्काउट प्रतिज्ञा दोहराते हुए सेवा, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. राकेश कुमार, राम नरेश दंडौतिया, मूलचंद गौड एवं अतर सिंह राजपूत उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. राकेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व चिंतन दिवस आत्ममंथन एवं संकल्प का दिवस है। स्काउटिंग युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है, जो उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का पाठ सिखाता है। उन्होंने युवाओं को समाज के प्रति सकारात्मक सोच और सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। रामनरेश दंडौतिया ने कहा कि स्काउट-गाइड आंदोलन विश्व बंधुत्व और सेवा भावना का प्रतीक है। यह संगठन युवाओं में राष्ट्रप्रेम, सहयोग और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करता है। उन्होंने जिला संघ की गतिविधियों की सराहना करते हुए निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दीं। मूलचंद गौड ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की पाठशाला है। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुशासन एवं सेवा भावना को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 22.02.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	70/25, नया वार्ड 23 सिकरवारी बाजार मुरैना	गिर्राज प्रसाद गर्ग, गोपालदास गर्ग पुत्र स्व. श्री ओंकार लाल उर्फ ओमकार लाल गर्ग	स्व. ओंकार लाल उर्फ ओमकार लाल गर्ग पुत्र स्व. श्री गुलामचन्द	रजिस्टर्ड वसीयतनामा
2	120/25, नया वार्ड 23 झण्डाचौक मुरैना	रामगोपाल मोदी पुत्र स्व. हरिगोविंद मोदी	विशम्भर दयाल मोदी पुत्र स्व. हरिगोविंद मोदी	रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र
3	68/23 सिकरवारी बाजार मुरैना	श्रीमती राजकिशोरी मित्तल पत्नी स्व. महेशचन्द्र मित्तल पुत्र ओमप्रकाश	ओमप्रकाश मित्तल पुत्र बद्रीप्रसाद मित्तल	रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र
4	182/24, नया वार्ड 23 लोहिया बाजार मुरैना	श्रीमती राजकिशोरी मित्तल पत्नी स्व. महेशचन्द्र मित्तल पुत्र ओमप्रकाश	ओमप्रकाश मित्तल पुत्र बद्रीप्रसाद मित्तल	रजिस्टर्ड वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र
5	52/23 सिकरवारी बाजार मुरैना	सौरभ गर्ग पुत्र कैलाशचन्द्र गर्ग	श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी कैलाशचन्द्र रविकुमार गर्ग पुत्र कैलाशचन्द्र	विक्रय पत्र
6	52/23 सिकरवारी बाजार मुरैना	श्रीमती अंजू गर्ग पत्नी सौरभ गर्ग	श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी कैलाशचन्द्र रविकुमार गर्ग पुत्र कैलाशचन्द्र	विक्रय पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

मुख्यमंत्री यादव ने राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महोत्सव का किया शुभारंभ

म.प्र. ने मारी बाज़ी, राजस्थान को 7 विकेट से हराया

-भोपाल से डॉ. प्रनिता शिवहरे-

भोपाल। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के साथ राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महोत्सव 2026 नॉट आउट @100 का राजधानी भोपालके नेहरू नगर पुलिस मैदान में आज भव्य शुभारंभ हो गया। शुरुआती मैच से पहले खेल मैदान पर मौजूद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कार्यक्रम संयोजक डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, भाजपा संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, विधायक भगवान दास सबनानी सहित अनेक गणमान्यों और जनसाधारण ने मन की बात एकाग्रता के साथ सुनी। इसके बाद उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मध्य प्रदेश एवं राजस्थान गर्ल्स टीम की खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस बेहद महत्वपूर्ण खेल महोत्सव का उद्घाटन किया।

टास्क इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च, कुशाभाऊ ठाकरे न्यास, विवेकानंद विधिक केंद्र एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा आयोजित इस क्रिकेट महोत्सव में पहला सामना मध्य प्रदेश और राजस्थान की गर्ल्स टीम के बीच हुआ। बेहद दिलचस्प मैच में मध्य प्रदेश की गर्ल्स टीम ने 7 विकेट से बाजी मार ली। उल्लेखनीय है कि विजेता टीम ने तीन विकेट पर 76 रन बनाए। जबकि रनरअप राजस्थान गर्ल्स टीम 5 विकेट पर 75 रन बनाकर सिमट गई। इस पूरे मैच में मध्य प्रदेश की राधा सर्वाधिक चार विकेट लेकर आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। जबकि राजस्थान की सुशीला ने सबसे ज्यादा 24 रन बटोर कर दर्शकों की वह वाही लूटी।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने बताया है कि राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट महोत्सव 2026 नॉट आउट @ 100 में विभिन्न राज्यों की कुल 25 क्रिकेट टीमें भाग ले रही हैं। जैसा कि पूर्व में बताया जा चुका है, क्रिकेट के सभी मुकाबले लगातार 100 घंटे तक बिना रुके बिना थके चलने वाले हैं। दर्शकों द्वारा इस विलक्षण आयोजन की मुक्त कंठ से सराहना की जा रही है और खेल मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहा है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया समाजसेवी प्रमोद गुप्ता का जन्मदिन, अनेक लोग रहे मौजूद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। शहर के वरिष्ठ कर सलाहकार प्रमोद कुमार गुप्ता जी का 73वां जन्मदिवस शनिवार के दिन पड़ाव स्थित स्वः प्रवीणा पाण्डेय मेमोरियल आईकॉम मीडिया सेंटर पर अत्यंत गरिमामय एवं स्नेहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कर परामर्श के क्षेत्र में 50 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री गुप्ता जी ने अपने ज्ञान, सरल स्वभाव एवं नैतिक कार्यशैली से समाज में विशिष्ट पहचान बनाई है। साथ ही आईकॉम मीडिया सेंटर के संस्थापक एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. केशव पांडेय जी की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अजय चोपड़ा द्वारा स्वागत उद्बोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने श्री प्रमोद कुमार गुप्ता जी के दीर्घ अनुभव के साथ कर क्षेत्र में उनके योगदान एवं सामाजिक सरोकारों की सराहना की। डॉण् केशव पांडेय जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गुप्ता जी की उदारताए विनम्रता एवं समाजसेवा के प्रति उनके समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने सुझाव दिया कि श्री प्रमोद गुप्ता जी के 75वें जन्मवर्ष अत्यंत भव्य स्तर पर मनाया जाए।

श्री प्रमोद गुप्ता जी निरंतर विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं और बिना किसी प्रचार-प्रसार के समाज के लिए कार्य करते हैं। उनका आचरण युवाओं एवं आमजन के लिए प्रेरणास्रोत है।

जन्म दिन के अवसर पर अचलेश्वर न्यास मंदिर के पूर्व अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल नरेन्द्र सिंघल, आरपी अग्रवाल, रामबाबू कटारे, नयन शर्मा, रवि गुप्ता, सीए विवेक जैन, मोहित जैन, जीके सूरी, संजय नीखरा, डॉ. दिलीप समाधिया, रामनिवास राठौर, राजेश अवस्थी लावा, महेंद्र सिंह सेंगर, दिनमनि शर्मा सहित अनेक वरिष्ठजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अंत में महेश मुदगल द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सभी ने उपस्थित होकर प्रमोद कुमार गुप्ता के 73वें जन्मदिवस को विशेष और यादगार बनाया।

कार्यक्रम स्नेह, सम्मान एवं प्रेरणा के वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित सभी जनों ने प्रमोद कुमार गुप्ता जी के स्वस्थ, दीर्घ एवं यशस्वी जीवन की कामना की।

भोपाल में 24 फरवरी को आयोजित किसान रैली को सफल बनाने हेतु कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठों तथा वरिष्ठ नेताओं से अपील

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

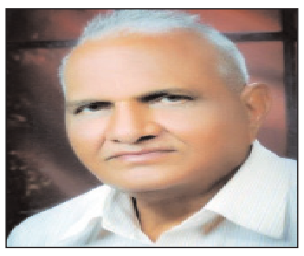

ग्वालियर। भारत-अमेरिका समझौता के खिलाफ कांगेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भोपाल स्थित जवाहर चौक पर रैली को सम्बोधित करेंगे। यह रैली 24 फरवरी को भोपाल में आयोजित होगी।

इस रैली को सफल बनाने हेतु म.प्र. के पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक मंडल के उपाध्यक्ष तथा म.प्र. कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष भगवान सिंह यादव ने प्रदेश के सभी कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के साथियों, किसानों, युवक कांगेस, भारतीस राष्ट्रीय छात्र संगठन, सेवादल, महिला कांग्रेस, सभी पूर्व कांग्रेस विधायकों तथा प्रदेश कांग्रेस के सभी संगठन प्रकोष्ठ के सभी साथियों तथा वरिष्ठ जनों, सभी साथियों से रैली को सफल बनाने का आग्रह किया है।

कलेक्टर ने उपस्थित होकर 5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट मैच में दिव्यांगों का हौंसला बढ़ाया

व्हीलचेयर क्रिकेट में उत्तरप्रदेश ने मध्यप्रदेश को हराकर खिताब जीता

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना के चंबल डिवीजन क्रिकेट मैदान (करूआ स्टेडियम) पर खेली जा रही 5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्तरप्रदेश की टीम ने जीत हासिल कर ली, मेन ऑफ द मैच शैलेश यादव रहे। 5वीं नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता में कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने उपस्थित होकर दिव्यांग खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। फाइनल मैच के मुकाबले की विजेता टीम दिल्ली एनसीआर में 15 मार्च को होने वाले नेशनल टूर्नामेंट में भाग लेगी।

नवआरक्षक पीपीटी परीक्षा आज से

- 14वीं बटालियन मैदान पर 5500 उम्मीदवार होंगे शामिल

ग्वालियर। नवआरक्षकों की शारीरिक प्रवीणता परीक्षा (पीपीटी) आज 23 फरवरी से शुरू होगी। यह परीक्षा 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर आयोजित की गई है। इसमें करीब 5500 उम्मीदवार शामिल होंगे। परीक्षा प्रक्रिया 14 मार्च तक चलेगी और प्रतिदिन लगभग 400 उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाएगी। यह भर्ती प्रक्रिया प्रदेश में नवआरक्षकों के करीब 7500 पदों के लिए आयोजित की जा रही है। लिखित परीक्षा के बाद अब शारीरिक प्रवीणता परीक्षा कराई जा रही है।

परीक्षा के लिए एसएएफके करीब 300 पुलिस जवान और अधिकारियों को तैनात किया गया है। ये जवान उम्मीदवारों की दौड़, गोला फेंक और लंबी कूद की प्रक्रिया कराएंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे

लगाए गए हैं। परीक्षा के संचालन के लिए एक कमेटी बनाई गई है, जिसके अध्यक्ष डीआईजी अमित सांघी हैं। उनकी निगरानी में पूरी प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। 14वीं बटालियन एसएएफ मैदान पर टेंट, लाइट, सीसीटीवी कैमरे और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कमांडेंट संजीव सिन्हा ने मौके का निरीक्षण कर तैनात अधिकारियों और जवानों को आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा शुरू होने से पहले रविवार को एसएएफ मैदान पर रिहर्सल कराई गई। इसमें एसएएफ जवानों को उम्मीदवार बनाकर पूरी प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इस दौरान डीआईजी अमित सांघी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। पीपीटी परीक्षा में उम्मीदवारों को 800 मीटर दौड़ पूरी करनी होगी। इसके अलावा गोला फेंक और लंबी कूद भी कराई जाएगी। गोला फेंक और लंबी कूद में प्रत्येक उम्मीदवार को तीन मौके दिए जाएंगे।

मंत्री, जिलाध्यक्ष सहित भाजपा नेताओं ने सुनी मन की बात

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र से जनसंवाद अंतर्गत कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड का प्रसारण सुबह हुआ। भाजपा महानगर के सभी मण्डल अंतर्गत प्रत्येक बूथ पर यह कार्यक्रम भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा संपन्न किया गया।

मन की बात प्रभारी दारा सिंह सेंगर के कथन अनुसार सभी मण्डलों के बूथों पर जिले के विशिष्ट व्यक्तियों को भेजा गया था, जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने दीनदयाल मंडल के बूथ क्रमांक 43, केबिनेट मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने दुर्गादास मण्डल के बूथ क्रमांक

237, पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने विवेकानंद मण्डल मे बूथ क्रमांक 144, पूर्व अध्यक्ष कमल माखीजानी ने वीर सावरकर मण्डल के बूथ क्रमांक 267, अभय चौधरी ने शहीद हेमू कॉलाणी मण्डल के बूथ पर क्रमांक 57 पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम सुना। कार्यक्रम के मुख्य बिंदु एआई समिट और भारत की तकनीक, साइबर सुरक्षा और डिजिटल अरेस्ट, नन्हीं बच्ची आलिन का अंगदान, टी20 खेल में भारत की वैश्विक पहुंच, आगामी त्यौहार रंगोत्सव में वोकल फॉर लोकल, परीक्षा के दौरान छात्रों को मानसिक तनाव कम करने का सूत्र प्रमुख रुप से रहे। जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने मन की बात कार्यक्रम को भारत का एकमात्र गैर राजनैतिक और जनता से सीधा जुड़ाव रखने वाला, सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत एक जनसंवाद बताया।

रवि प्रजापति प्रदेश मीडिया एवं जनसंपर्क प्रभारी बने

- राष्ट्रीय प्रजापति हितकारिणी महासभा ने जिम्मेदारियां सौंपी

ग्वालियर। राष्ट्रीय प्रजापति हितकारिणी महासभा की हाई पावर कोर कमेटी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ख्यालेन्द्र प्रजापति की अनुमति पर राष्ट्रीय मुख्य महासचिव एस. एन. प्रजापति एवं प्रदेश अध्यक्ष मनीष कुंभकार द्वारा घोषित प्रदेश कार्यकारिणी में रवि प्रजापति (पत्रकार) को मध्यप्रदेश प्रदेश मीडिया एवं जनसंपर्क प्रभारी के महत्वपूर्ण दायित्व पर नियुक्त किया गया है। रवि की कार्यशैली, संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता एवं आमजन के बीच आपके उत्कृष्ट सामाजिक व्यवहार को दृष्टिगत रखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह

नियुक्ति उनके द्वारा समाज एवं संगठन के प्रति किए गए सराहनीय कार्यों का प्रतिफल है।

नवीन कार्यकारिणी में प्रदेश मुख्य संरक्षक इंजी. एलपी प्रजापति, प्रदेश संरक्षक मथुरा प्रसाद प्रजापति, (पू.पार्षद) प्रदेशाध्यक्ष मनीष कुम्भकार, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष बदन सिंह प्रजापति (रि.फौजी), फूलसिंह प्रजापति, प्रमोद गोले (गणेश स्टोर्स), रमेशचन्द्र प्रजापति, प्रदेश मुख्य महासचिव भूपेन्द्र सिंह प्रजापति (लैब संचालक), प्रदेश महासचिव कमल किशोर प्रजापति, प्रदेश सचिव डॉ. शिवनाथ प्रजापति, प्रदेश कोषाध्यक्ष एड. मनीष प्रजापति, प्रदेश मीडिया एवं जनसंपर्क रवि प्रजापति (पत्रकार), विनोद कुमार प्रजापति प्रदेश संयोजक, नवीन व्यवसाय एवं तकनीकी धर्मेंद्र प्रजापति प्रदेश संयोजक, वीर सैनिक प्रकोष्ठ सूबे. प्रभुदयाल प्रजापति, प्रदेश संगठन मंत्री इंजी. मुकेश प्रजापति, दिनेश प्रजापति, नवलकिशोर प्रजापति, रामपाल प्रजापति, कार्यकारिणी सदस्य मनीष गोले, खेरसिंह प्रजापति, चौके सिंह प्रजापति, मोहन प्रजापति, प्रदीप प्रजापति, प्रमोद प्रजापति, धर्मेंद्र प्रजापति नियुक्त किए गए।

खुशियों की दास्तां: निखिल हुये आत्मनिर्भर, अन्य युवाओं को भी उपलब्ध कराया रोजगार

(मधु सोलापुरकर, उपसंचालक जनसंपर्क विभाग)

ग्वालियर । पशुपालन के माध्यम से रोजगार से जुड़ने वाले युवाओं को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार सरकार द्वारा हर संभव सहयोग दिया जा रहा है। ऐसे युवाओं को बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ शासन का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत अनेक युवकों ने पशुपालन से जुड़कर न केवल अपने आपको आत्मनिर्भर बनाया बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य कर दिखाया है। सहीं समय पर मदद और दिशा मिल जाए तो व्यक्ति अपनी सपनों की मंजिल पा सकता है। ऐसा ही हुआ निखिल श्रीवास्तव

के साथ। निखिल कि पिता खेती करते थे और घर में दो तीन पालतू पशु थे। जिससे 40 से 50 हजार रूपये कमाई होती थी। निखिल भी प्राइवेट जॉब करते थे, निखिल की इच्छा थी कि उनका खुद का डेयरी प्लांट हो, चूंकि घर में इतने पैसे नहीं थे कि वह डेयरी प्लांट लगा सके। ऐसे में उन्हें पीएमएफएमई (प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना) योजना की जानकारी मिले, इस योजना से उन्हें 10 लाख रूपये का लोन मिला। इस लोन से उन्होंने खुद का डेयरी प्लांट लगाया साथ ही 11 अन्य लोगों को रोजगार भी दिया है, जो कि उनके यहां कार्य करते हैं। अब उनकी कमाई बढकर 2 लाख रूपये हो गई है।

निखिल श्रीवास्तव बताते हैं कि उनके पिता का नाम चांदविहारी श्रीवास्तव हैं जो कि ग्राम जमाहर में निवास करते हैं। गांव में ही उनकी पैतक जमीन है जिस पर पारंपरिक खेती होती है। उनके घर पर दो तीन पालतू पशु थे, जिनका दूध वह मार्केट में ग्रामीणों की मदद से बेचते थे। इससे उन्हें दूध की सही कीमत नहीं मिल पाती थी। वह चाहते थे कि उनकी स्वयं की डेयरी प्लांट हो जिससे वह अपने घर और ग्रामीण का दूध एकत्रित कर उससे व्यवसाय कर सकें। चूंकि परिवार आर्थिक रूप से सपंन्न नहीं थी इसके कारण वह अपनी व्यवसाय शुरू नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच पुरानी छावनी से पीएमएफएमई योजना से 10 लाख रूपये का लोन लिया। इस लोन से उन्होंने मशीनें खरीदी और स्वयं की डेयरी उत्पाद का कार्य प्रारंभ किया है।

केआरजी महाविद्यालय की छात्राओं ने किया औद्योगिक भ्रमण

ग्वालियर। शासकीय कमलाराजा कन्या स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने प्रकाश पैकेजिंग इंडस्ट्री का औद्योगिक भ्रमण (इंडस्ट्रियल विजिट) किया। औद्योगिक भ्रमण दल को प्राचार्य डॉ साधना श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण से छात्राओं के कौशल विकास, आत्मविश्वास तथा रोजगारपरक समझ में वृद्धि होती है।

इस अवसर पर छात्राओं ने

उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग तथा विपणन संबंधी विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उद्योग के विशेषज्ञों ने छात्राओं को मशीनों के संचालन, सुरक्षा मानकों तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग के बारे में समझाया। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अनुभव से उन्हें पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर मिला। भ्रमण दल का नेत्रत्व अर्थशास्त्र विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ अंजू यादव ने किया। इस अवसर पर विभाग की सदस्य डॉ अर्चना दुबे, डॉ निशा मिश्रा, डॉ हेमा केन उपस्थित रहे। इस भ्रमण में 40 से अधिक छात्राओं ने सहभागिता की। यह औद्योगिक भ्रमण छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

जिला स्तरीय समिति की बैठक आज

ग्वालियर। जिले में नेशनल डिजिटल लाइव स्टॉक मिशन की गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिये जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति की प्रथम बैठक 23 फरवरी को दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में रखी गई है। जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता में गठित की गई है। इस समिति में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, आयुक्त नगर पालिक निगम, उप संचालक कृषि, सहकारी दुग्ध संघ के सीईओ एवं उप संचालन पशुपालन व डेयरी विभाग को शामिल किया गया है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435